स्लात॥ दश्रीमन्नजनाजिद्रविक्रमसाहसवरङ्गकङ्कधनञ्जे
जूम्भानिःहनानिजेङ्गालपासनकेन॥४॥ङ्ग॥ ७
नागःजयश्रीःगालयकगाल॥ ॥दजयनमागरुःशोखर्यहनादि
रूपःसहगालिःगूरुहलिमाङ्गः॥दश्रीकनजयःसलालया
ःपृमल्लनःजालयाकसहननजिहल्ल॥ ७॥दमाजेसमगीता
लगाजःहलिकिनयाएसकयाःकयकुञ्जवजानसथेन॥दज्
यप्रियसदसिनाःनजाजिववनधनिःहलिङ्गियावामसा
नानि॥ २॥दलाकेनाथ्यानामकाम्यःउपाङ्गवधवगायाय
धर्मयाकंसमिजिनव्यादनयानानिःमिमिदसजना
आङ्गिनयानामकालजन॥ ३॥दधर्मयासालनःस
सालयाङ्गवस्वयानृत्यानानिःहरुवावजिजन॥दङ्गोकङ्के
जेङ्गानिलोकनाथ्यमसननयानगूलिङ्गसायायम्पाल
॥४॥ङ्ग॥नागःवसेनःगालया॥ ७॥दनृत्याप्रियसदनिनानि
तपवनजा॥दधजापुत्रनाजकुमानःपृथिकुञ्जीजिनिादे
साहानानिसहितनःतपावनजानःहाहादःनृत्याप्रिय॥७
ददकोलाकविनहननङ्घयाजालिस्मजाल॥दकौलथयर्थ
काजालोकपंवयनिनःहाहादनृत्याप्रिय॥२॥दनथसःनो
ङ्गलपाजाहयाःसलयाननियाय॥दमृगवनयामृगजया
जाःनथघ्रावकलनेरनृत्याप्रिय॥३॥दनथयानयायचूनः
पूःलूकनक्षियाः॥दकाजानानिःनाजकुमानिः
चूनसासाथनलेःहाहानूथाप्रिय॥४॥दस्मानरुलवन
यास्वलाःलजानानिकोकिलहलाः॥दनयनमोवूधयागू
नगःतथाजलेःहासादनूथाप्रियमंडनिनाभिगकाननम
॥ ॥दभूथेधयमाभि
सोरनकोलक्षिजाङ्गिजानयातियमलालपा॥हलेहनाके

लयाजिनऽजूनि: हजूनं ॥ ३ ॥ दंयानंघ्रिनसमत्तपा
भूनदऽजयाकंएगानियानाजिगऽछतादयामदूदऽजेनाद
थगदूऽवरुगकिऽजेऽफलपोलक्कऽजनकः ऽआसानऽजेआए
लसानः हजूनं ॥ ४ ॥ दंऽगानियाऽजूवतालः निथनिश्री
जयविनश्रीनयपतकासमल ॥ दंछाकक्कयादहरल
निक्कस्याजिऽआघ्रानगूतल्यसथऽसालिमदुक्किविनानः हं
जानं ॥ ५ ॥ ॐ ॥ नागः वलाजिः तालपुगाल ॥ ॥ दंऽथिन
थसलिस्थाघनियानसयायपनऽडपकात ॥ दंऽजिहनऽड
नदनाऽडानसनथऽडिंतथमथानाऽडः ऽआनठसानसथा
नक्किताऽडऽजून ॥ ऽजूनगस्थानसथाऽडः ऽजूजि ॥ ७ ॥ दंऽ
निगऽडाविनहूसथानवलहिनसलिलः ऽजूजिऽडानाऽड ॥ दं
वालऽवगएंनपिकयाव्यलसघ्रानमलनिथकोन ॥
॥ ८ ॥ दंऽवनाऽडाऽजूनऽजूजिकतूनाऽडतपतिहलथाऽनन
हिताऽड ॥ दंथाऽडाहसलिगदकोऽजाजिनऽजानाऽड
थेसंयाकगनः ऽजूथि ॥ ३ ॥ दंदकोसलिलयागायाऽजाजि
हिलऽछायाऽडासिमायाथासं ॥ दंऽडानाऽजऽजायाऽछसकियाऽ
लसः हागविलथऽजामांसः ऽजूथि ॥ ४ ॥ दंऽजनमऽजनमयाऽ
थमिहलथासगेतनाम ॥ दंछाकक्कयाथलिखितकिऽ
गलिः विहनसनसनक्षिपालिः ऽजूथिनथ्यसलिलस्थाऽ
यानसयायपनऽडपकात ॥ ८ ॥ ॐ ॥ नागऽजोतिःक
गणः ॥ दंश्रीसाकंमनियादनसऽ निऽमंदन
जयलाऽछमनिया ॥ दंगाऽ
गाक्कसनि ॥ ९ ॥ दंथमः

नाकावि॰ न॰ उ॰ आ॰ ल॰ ल॰ ल

सजनजिनाथ ॥ सर्वपक्कनागनाडी: उधनजियानाडी
दहननेथगच्छोयाहलदकनूनानिधन ॥ ७ ॥ कुलका
लयादयानउधनजिहयाडी: धव्यायाग्रथसजिनेना
॥ धव्यायादयानजि: नजाहयाठोयावलें: अगधसकुजि
नजिनाथ: कनूना ॥ ८ ॥ अंजनानाकसकनूनाजिकगया
अंगधन: थगच्छोयाहल ॥ निरंजनवनसमउधसजि
धन: यामनालिनाडीजिहल: कनूनानिधन ॥ ३ ॥ गु
रथसजन्मइलेगग्रथसप्रानहनेवानथगच्छनज
मालायरथहसनखलगाडीडीनि: ज्ञमदूतयाहकुस
लाग: कनूनानिधन ॥ ४ ॥ लोकनाथसद्यात: विजया
धनिविजयानाडी उधनजिहलयाडी ॥ झाकझाअंग
निरंजन: यहलयाल्यासनजन: दु: खिजनजक्षायामाल: क
नूनानिधन ॥ ५ ॥ ॐ ॥ लोकनाथनयाडीजिउधनज
नानौ ॥ ॥ सगुनियानिर्दयाना: विनंजनवनसथजन ॥ सं
ग्रामडवियोन: सदासवाधनं ॥ थस्यायाडीजिग: स्त्रिनि
वगुन: लोकनाथ ॥ ७ ॥ [illegible] हनिरंजिवाडूनें: मालध
उनाडीडीनें ॥ जन्मदा: लगन: प्रानजिहन्यथन ॥ गनथड
थपनाना लोकनाथें ॥ ८ ॥ व्याधमाएमन: उधमाडीजिवा
मालधन ॥ प्रानजिथहरे ॐ नाडीनिन ॥ जन्मदुखप
नियायान ॥ लोकनाथी ॥ ३ ॥ जेवलरूलजिनेवानाजिसाध
सजनाजनाथजिमयानेस्ल [illegible] यमालजि
लिविधुनलोक ॥ ४ ॥ [illegible]

जिन ॥ चूनाथ ॥ ॥ ॥

लगीच्य: आगि ॥७॥ नमो रत्नत्रय: श्लोक ॥ नरहरि स्वामी:
इ: शिवजनथ सं सान: जक्षायाय मालगुन: आगि ॥ ७ ॥ ॥
आगजागश्री ॥ तालध्रुवताल: ॥ ॥ जन्मथिन्त्रक नागकुमार ॥
नागपूजिथओ ॐ वानायन निधि स्वयंभ उपदस्तनउ धमजि
हल ॥ ७ ॥ नागयाजापुरन्नइ ल: नागपो सविल ॥ मनोहजा
निधि सेनजा नायाथस ॥ हायहाय मनोहजा यानि ॥ ७ ॥ कार्व
तिकदेसया: प्रजालोकदको जानि ॥ धर्मसतयाओ जूदेनवोना
:हाय२ ॥ ॥ २ ॥ हरिहरिजिक्रम प्रानपिया विओगा ओन
॥ एपनसमजनाथ्थविओगाइल: हामर ॥ ३ ॥ हाय२ सूद
विजेंगात मोहि निधानि ॥ मनओना एा ल ओन्य ओक प्रानपि
या जि: हाय हाय ॥ ४ ॥ जाज्यमूलकदको मायाजालना ओ ॥ म
नोहजा प्रिय माल निओन्य ॥ ५ ॥ यहाय मनोहजा जानि ॥ ६ ॥
आगधनाश्री ॥ यक ताल ॥ ॥ अक्षसमूनाम: ओन्यवंगस
ओं डवायाल ओंगनवथमस ॥ छचचाकसिधगूहिविगि
लिलगावाहाओंकनूनाप्रथथमस: ॥ ७ ॥ ओंवूसगनथ
तिओंवनायाचओंयनि क्षयक्षायगनथतिथमस ॥ क्षयक्षा
यानवनाग: ओनंयादिलोकंस्वनवोंवाहाकोंयामताद
वथमस ॥ २ ॥ वोंवाहाकोंयाओंनपेति: न्यओंवहासवृक्षायनि
ओं: प्रतिओंमलेसहओंवजिथमस ॥ हाप्राणोंनाग न: प्रति: स्वहंगल

ॐ ह्रीं यं ह्रीं नमः ॥ धनदाय नमः ॥ धनदाय नमः ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ११ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ५० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ५१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ५२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ५३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ५४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ५५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ५६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ५७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ५८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ५९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ६० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ६१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ६२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ६३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ६४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ६५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ६६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ६७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ६८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ६९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ७० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ७१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ७२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ७३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ७४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ७५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ७६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ७७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ७८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ७९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ८० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ८१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ८२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ८३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ८४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ८५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ८६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ८७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ८८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ८९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ९० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ९१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ९२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ९३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ९४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ९५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ९६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ९७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ९८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ९९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १०० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १०१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १०२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १०३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १०४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १०५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १०६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १०७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १०८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १०९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ११० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १११ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ११२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ११३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ११४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ११५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ११६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ११७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ११८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ११९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १२० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १२१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १२२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १२३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १२४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १२५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १२६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १२७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १२८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १२९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १३० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १३१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १३२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १३३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १३४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १३५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १३६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १३७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १३८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १३९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १४० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १४१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १४२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १४३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १४४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १४५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १४६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १४७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १४८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १४९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १५० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १५१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १५२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १५३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १५४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १५५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १५६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १५७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १५८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १५९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १६० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १६१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १६२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १६३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १६४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १६५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १६६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १६७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १६८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १६९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १७० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १७१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १७२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १७३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १७४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १७५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १७६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १७७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १७८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १७९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १८० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १८१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १८२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १८३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १८४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १८५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १८६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १८७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १८८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १८९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ १९० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ १९१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ १९२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ १९३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ १९४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ १९५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ १९६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ १९७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ १९८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ १९९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २०० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २०१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २०२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २०३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २०४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २०५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २०६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २०७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २०८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २०९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २१० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २११ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २१२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २१३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २१४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २१५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २१६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २१७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २१८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २१९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २२० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २२१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २२२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २२३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २२४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २२५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २२६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २२७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २२८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २२९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २३० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २३१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २३२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २३३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २३४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २३५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २३६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २३७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २३८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २३९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २४० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २४१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २४२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २४३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २४४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २४५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २४६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २४७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २४८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २४९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २५० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २५१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २५२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २५३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २५४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २५५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २५६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २५७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २५८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २५९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २६० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २६१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २६२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २६३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २६४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २६५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २६६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २६७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २६८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २६९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २७० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २७१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २७२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २७३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २७४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २७५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २७६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २७७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २७८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २७९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २८० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २८१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २८२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २८३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २८४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २८५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २८६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २८७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २८८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २८९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ २९० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ २९१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ २९२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ २९३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ २९४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ २९५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ २९६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ २९७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ २९८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ २९९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३०० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३०१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३०२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३०३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३०४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३०५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३०६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३०७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३०८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३०९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३१० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३११ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३१२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३१३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३१४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३१५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३१६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३१७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३१८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३१९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३२० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३२१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३२२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३२३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३२४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३२५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३२६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३२७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३२८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३२९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३३० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३३१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३३२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३३३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३३४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३३५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३३६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३३७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३३८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३३९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३४० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३४१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३४२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३४३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३४४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३४५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३४६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३४७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३४८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३४९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३५० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३५१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३५२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३५३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३५४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३५५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३५६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३५७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३५८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३५९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३६० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३६१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३६२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३६३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३६४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३६५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३६६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३६७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३६८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३६९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३७० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३७१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३७२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३७३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३७४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३७५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३७६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३७७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३७८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३७९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३८० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३८१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३८२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३८३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३८४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३८५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३८६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३८७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३८८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३८९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ३९० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ३९१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ३९२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ३९३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ३९४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ३९५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ३९६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ३९७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ३९८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ३९९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४०० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४०१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४०२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४०३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४०४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४०५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४०६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४०७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४०८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४०९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४१० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४११ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४१२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४१३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४१४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४१५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४१६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४१७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४१८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४१९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४२० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४२१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४२२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४२३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४२४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४२५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४२६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४२७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४२८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४२९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४३० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४३१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४३२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४३३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४३४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४३५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४३६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४३७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४३८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४३९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४४० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४४१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४४२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४४३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४४४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४४५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४४६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४४७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४४८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४४९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४५० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४५१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४५२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४५३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४५४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४५५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४५६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४५७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४५८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४५९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४६० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४६१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४६२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४६३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४६४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४६५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४६६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४६७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४६८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४६९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४७० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४७१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४७२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४७३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४७४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४७५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४७६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४७७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४७८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४७९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४८० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४८१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४८२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४८३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४८४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४८५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४८६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४८७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४८८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४८९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ४९० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ४९१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ४९२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ४९३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ४९४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ४९५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ४९६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ४९७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ४९८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ४९९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ५०० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ५०१ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ५०२ ॥ ॐ ह्रीं वरुणाय नमः ॥ ५०३ ॥ ॐ ह्रीं वायवे नमः ॥ ५०४ ॥ ॐ ह्रीं सोमाय नमः ॥ ५०५ ॥ ॐ ह्रीं ईशानाय नमः ॥ ५०६ ॥ ॐ ह्रीं ब्रह्मणे नमः ॥ ५०७ ॥ ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः ॥ ५०८ ॥ ॐ ह्रीं इन्द्राय नमः ॥ ५०९ ॥ ॐ ह्रीं अग्नये नमः ॥ ५१० ॥ ॐ ह्रीं यमाय नमः ॥ ५११ ॥ ॐ ह्रीं नैऋतये नमः ॥ ५१२ ॥

वंशमरुथकाः नाजायनं सर्वपूयकाः॥ ज्ञमजा जीदेदजा
नाभः लक्ष्मिनकाविप्राकः गरुड॥ ३॥ शूद्रनक्षत्रकु
यकाः हिंशगनंचामर्शगमयका॥ आकासनं स्वानंभगमका
भः आनंदनविप्राकः गरुड॥ ४॥ नेपिंपस्नानकगः दकोज्ञ
नसहितन॥ स्वनागयाक्षसविप्रासः प्रप्राणवकथा
क्षभगरुड॥ ५॥ वनगज्ञजत्नसालः श्रीसूर्यमहायाज्ञा॥
झाकक्षअनाथज्ञनगरुथाकंसज्ञनगरुड॥ ७॥
जागवलापियकगाल॥ ध्ययायकजमयाझल॥ ॥
सप्तजियानिर्दयानलिनाभहूलथनि॥ दहनसंसजनन्नि
मेन्यःहप्रानध्ययाय॥ ७॥ धंदरन्निएाश्वनंनागलाकस
न्निधव॥ नागयाज्ञादर्सनयायः हप्रान॥ २॥ चंपकनाम
नागःजाज्ञानंहलताभेःहलसानंबोधःवियातलहप्रान
॥३॥ यहनयाचासभानाःलायवृयाघ्रासविल॥ नागजाज्ञा
श्वनाडोयोनःहप्रान॥ ४॥ नागज्ञायादयानःनसयायाप
हसह॥ दहननंथनक्षायाहलंःहप्रान॥ ५॥ झाकक्षजू
झानिज्ञनःहगवान्याचजनस॥ ज्ञगरुगज्ञलजिस्जनःहू
प्रान॥ ७॥ जागस्यामकजि॥ गालज्ञनि॥ ॥ प्रहस्यामिप्रान
नाथसजनज्ञिमेया॥ ॥ निजिज्ञनजूशंभनिःगलंथयाझान
प्रहु॥ अपमानदुःखविस्मयाज्ञिनंझिलःप्रहूस्यामि॥ ४॥
श्रेक्षिगयागरुपाधलोलमनक्षमालप्रहु॥ निजियावि
क्षिमनिःव्यसःकरुनादयमालःप्रहुःहस्यामि॥ ५॥ क
जनियाचजकाद्रसक्षजानाजालप्रहुःहस्यामि॥
वीवरलःदसचिश्वयानाःप्रहुस्यामि॥ ३॥ महाजा
नाचक्रवर्तिःवोलामलक्षलपासा॥ झाकक्षजूशनि
यासःकरुनातयमालप्रहुस्यामि॥ ४॥ ॥ नागपस्

नाम॥ नियकीर्तविनाथस्य स्तुदर्शिना मालजाऽन्यः आगि॥
॥२॥ किनाद्रुमकुसयानः आजयागूतालाविया॥ मा म
याकेंद्रालाकयाः स्तुदर्शिना मालजाऽन्यः आगि॥ ३॥ वि
तमिनक्षसवृस्पलजस्तनंपन्य॥ आगिरूपकयाः
जिःस्तुदर्शिना मालजाऽन्यः आगि॥ ४॥ मनोहजाय॥ विनः
जविद्यसजानयाना॥ थ्वनादक्षिजिनयस्तुदर्शिना मालजा
न्य॥ आ॥ ५॥ लोकनाथस्यानामकास्यकेन्यकुकुदस्तस्य
॥ दस्यदस्तेचूमयायानाः स्तुदर्शिना मालजाऽन्यः आगि॥ ७॥ मा २
जनग्रयः आकक्षनरुस्यगान॥ दुःखिनिजूनाथमामयकाय
यमालवधः आगि॥ ८॥ ६॥ यागस्यामकयि॥ तद्
ज्ञानि॥ ॥वृधःधर्मैःसंधयाकेंःकजनोजिजूनाथि॥ ७
॥ नयनमाग्रीवयंतुःपंवबंधसफलमूर्ति॥ जगतसंसा
रंयागयक्षायायमाल॥ ॥वृध॥ ७॥ नयनमाग्रहस्व
निःसंसालयाग्रहनाजि॥ दुःखिनिजूनाथमामयकाय
यमालवधः॥ २॥ नयनमालोकनाथकजुनामयस्त
कलंयेव॥ आकक्षयादनःक्षमायाहामाक्षेयमा
लबुधधर्मैःसंध॥ ३॥ ॥ ॥ सोमिबजनो
गिनिमाजूं॥ ॥ ॥

निहनाओ स्वयङ्गौ ॥ओ ष्वलवनास्वनहस्वमालक्कोडवतस्वःमो
लिनियालाहानिस्वविलङ्गौ ॥३॥थ्रुलिस्वानश्ववनाःमालिनि
श्वसिक्षस्वःउग्रलिनशास्वओनङ्गौ ॥ सूलचनायानियासाहा
श्वओनाओ यानियाहहृदिस्वविलङ्गौ ॥४॥उग्रलिस्वानश्व
स्वयानिनंओ ष्ण्यदःश्वस्वानसूनाविलङ्गौ ॥ओ ष्वश्व
सूदनश्वःङ्गस्वासयाताओलःओङ्गस्वनहनाओविलङ्गौ
॥५॥सूलचनयानियासविदकोमूनकाओडमानसङ्गि
धकाओनङ्गौ ॥मालिनिसलताओयकातनओनाओःसाःवि
गनडमानसयोतङ्गौ ॥७॥सवथ्यश्वापाश्वनाःक्रियातनाव
तकाओवाश्वमिश्वाकस्वस्वतङ्गौ ॥माधवजाज्ञायाथ्यतिनि
ङ्गहत्याओःसपनासश्वनाओवोनङ्गौ ॥दनाओस्वकथ्यत्यमाङ्गा
धवजाज्ञायासपनासश्वनाथ्यन्यनङ्गौ ॥जाज्ञाओजानिओथिथि
धिङ्गिथ्रुलनानामूथ्यानकालथिथिनिङ्गङ्गौ ॥६॥यानिनंविति
यातःथनिपेङ्गुङ्गितज्ञाम्यस्यवियाओंयधकाधास्वङ्गौ ॥ज्ञाज्ञा
दकोमूनकाओस्वयंवचन्यायकाओःगूनाकयजाज्ञायातवि
थ्यङ्गौ ॥८॥माधवजाज्ञानंजानियातसतंविलःङ्गथ्यसःस्वन
यानाथ्यनङ्गौ ॥एङ्गवसलगस्मसूलथाङ्गसतसःमथानङ्गा
तकसूथ्यन्यङ्गौ ॥१०॥मालक्कोडवङ्गासयाज्ञायाकेथ्यलाकास्थ
ःसूलचनंथडाङ्कसओनङ्गौ ॥मातंनंसयानाओङ्गाक्कोडवन्यनो
ओथ्यतकिकोलाओस्वओनङ्गौ ॥१२॥सूथ्यवचन्यायकाओ
वाओःअन्थ्यगज्ञाग्रायानाःसूलचनकन्याविथ्यनङ्गौ ॥एस
वनचानिनमाधवमओश्वनाःमनसअङ्गिधदाङ्गौ
[illegible]
साधवओःसधकोचोनङ्गौ ॥१३॥मामवुवानिङ्गःमनःङ्गा

चनजानिनमाहाधवमऽोरवनाःमनसञ्जिधदाइंलङ्क
॥व२॥माहाधवचानाथाऽजिनिद्राइयाचानःचातंकिनंस
लङ्कोस्मऽलङ्का॥सलचनजानिनंथानंनऽोऽवस्माल
क्षाधवंहालधंकाचानङ्का॥व३॥सामवूवानिऽोस्मनःहा
सीलंकंसतस्मसलचनकन्याविथतनङ्का॥सलयाचगल
ऽोसाकूंवूधिंचतकिनंसलचनहनयानाथनङ्का॥व४॥
सलयाञ्चसलास्यवेगनयनाऽक्ष्यग्रलिवनातजथमनङ्का॥
सलङ्कनकोहाऽस्यजानिधाङ्काहातिसास्यकामचसयायध
काधलङ्का॥व५॥जानियामनसंचतकिनसालङ्कनाङ्गत
नानियायधकालालप॥ऽोऽवासतयाग्रलिजलयाभान
विस्मधिवधिकाथकलंछोतङ्का॥व७॥कूंवूधिंचतकि
नंपलयामालाकास्यमधिन्यायधकाऽोनङ्का॥सलचनजानिन
सलयाञ्चसलास्यवेगनवातकलयनङ्का॥व८॥सलचनजा
निनसलयातवलधिस्यवेगनवातकलयनङ्का॥कग्रलि
दसयासमिपसथनाऽोसलङ्काहाऽंचानङ्का॥व९॥सहजस
दूसाऽोस्यमित्रनवसत्रन्यास्याऽग्रलिनवसत्रनातिलङ्का॥मित्रन
यानरूपकास्यसलयाञ्चसचासदसयादथूदथङ्गलङ्का॥१०॥
ऽग्रलिदसयाकाञ्जिलाचापनिस्यनःगाननऽोयाधकाऽमन
ङ्का॥ऊनचऊपूरबाथदऽोऽयानग्रूनऊचूदऽोधग्रध
काऊंनञ्जिंतकऽोङ्का॥११॥मवनमरुग्रलिऽग्रलिया
यञ्जिनःञ्जिनाममाहाविजधायङ्का॥धूग्रलिन्यनाऽकाञ्जि
हायापनिस्यनंचाजायाथसवोनायनङ्का॥१२॥मित्रंचूपया
निनंचाजायाथसऽोनाःचाजायासिऽोयानायोनङ्का॥ऽग्रलि
दसंगयायाऊंस्यनदससऽपदसयातङ्का॥१३॥इऽ

कांचननिभतेजसे नमः ॥२०॥ पवनमरुद्गतिजवायसि
यजिनेंद्रजिनाममाहाविद्यायै नमः ॥ध्रुवस्तिन्यनाभकाजि
ह्वायापनिस्पन्दनीलायै नमः सर्वोनायनक्षी ॥२१॥ मिनंद्रपत्या
निनंदायै नमः सर्वजनानमस्कृतायै सिद्धायानायोनक्षी ॥ध्रु
दसलक्षणयायक्षेस्पन दससहस्रपदमंत्रायै नमः ॥२२॥ इ
क्ष्वाकुजिनपनिस्पनगयदालायमातमाहाविजस्तंभकरणी
क्षी ॥ चंद्रायाजयंत्यस्पमिनंद्रपत्यानिनंदजिनेंद्रयक्षधरणी
धारणे नमः ॥२३॥ सचिन्मयरूपायै नमः सर्वोसाक्षिहृदय
यायासमिपसजनक्षी ॥ सत्यायकलविस्पसत्यायै नमः
सर्वज्ञगर्भायोनाजोनिनक्षी ॥२४॥ गयदानडवनाभिनंद
नंदायानमः महाविजस्तंभकरणीक्षी ॥ गयदायानमस्कृत्य
नामाहाविजस्तंभ [illegible] क्षिनासिमासधमहाजस्पत्यानं
क्षी ॥२५॥ गयदायाजयंत्यासिमासचसपस्पडेमहानडवाय
यानक्षी ॥ गयदायानडवनाभिनंद्रपत्यानिनंदायै नमः सर्वो
ध्वजकूलिजलक्षी ॥२६॥ थगुलिस्पयाजहनासनकोहोज
स्पमस्पकत्वाकूलानाविलक्षी ॥ गयदायानमस्कृत्यनंद्रपस्प
यानिहाजस्पस्वाकडस्पलोकपूसक्षी ॥२७॥ थगुलिस्पव
जमिनंद्रपत्यानिनंदायैनिनंदकौतूकयालक्षी ॥ सैन्यद
कोमूनकाजगयदाकेनाजेसनक्षसयोसाक्षिहाजा
क्षी ॥२८॥ गयदास्पाकगरलियाजनासिरा [illegible] यूनिना
सिरयावीनक्षी ॥ वादवकोआत [illegible]
पंकजडाग्रायानाहनक्षी ॥२९॥ म
[illegible]

ॐ
[illegible]
[illegible]
[illegible]

थ्वालिदश्वरुनकि पापदकोपापदकोदुनकाजोविजादी॥

सनकामकास्यवलनिरोध्यङ्गो॥ ॥जिजायालाल

छिमदनिछिकायससायआलमाङ्गःखवाजनिसि

गनाजनिजोङ्गो॥ज्यस्यलियामयङ्गःजिकायआलज

मआलमदुखवाजनिङ्गासदसछोयङ्गो॥१॥छिकायमदय

कजिगथाचोन्यमाङ्गःखवाजनिपाचकाजोनोन्यङ्गो॥ज्य

मलियामयङ्गःजिकुमावालवाकोवःखनलजोङ्गानात

यङ्गो॥२॥सघनविययलामिखासखविनस्यगायाकनं

खखिछुस्यादिलङ्गोशोजिनशयलासमगलजानाथम

थोयमभूथिमजानियाजोङ्गो॥३॥जजानाथेछुस्यख

जानखछिछुस्याजिजुलखसुरमलङ्गो॥थागजाम्यानोव

नेयकलोखयाजिनेजिजुलिमानिस्यमालङ्गो॥४॥जि

यलुमनिउङ्गुथनेनानःजिजुलवनवासमालङ्गो॥सि

खलालासालासयनगुकखासमखासःखखुखगागायथि

लङ्गो॥५॥गुगुलिवनासछिलथोजिजुलनोलिथान

जुलसाशङ्गो॥यानूसमखनाथानजिजुलसाथकाःथो

यारखयाथोविखसिङ्गोङ्गो॥६॥खजलीमाङ्गयाखु

जायोलासलथनःथिकाजामाङथयखङ्गोनङ्गो॥शुना

नेथखलोलचागुजेनकनागिन्याङिनगुलागयाकयाम

जिङ्गो॥७॥शुथङ्गोङ्गोयादनोङागोसेवर्षुजोनाथि

आयाहिनिपासोंधलङ्गो॥यातयाम्बलनविआग्रम

तदसल्पाजिकायानिङोदानिर्नुगायाङ्गो॥८॥कोथि

चंद्रप्रभे क्रमसि [illegible] जिनो नवो नः
[illegible] निधानस्य नाभिसाज मनेथ निर्भक अंड्रा
[illegible] ॥ ॐ ॥ ह्रीं ह्रीं क्लीं ब्लूं ॥ ॐ ह्रीं हृदयाय नमः स्वाहा
ॐ ॥ जाप सिद्धाभ्यो ॥ ॥ ॐ ह्रीं [illegible] नमः स्वाहा
मालादेऽो वृनिमाङ्गदजसनयायङ्को ॥ श्रीजयवाल सकि
[illegible] जाजगउच्चजङ्को ॥ देऽोदको स्याग्रुन्श्रीमाङ्गमं
ङ्गसलिएगवानदजसनयायङ्को ॥ ४ ॥ श्रीजयवाल ॥ श्रीजि
आधासमाङ्गएद्रमूषिध्वोनिनाग्रएगवनिदजसनयाय
ङ्को ॥ श्रीजयवाल ॥ २ ॥ वालादेजकथनाजंखसिंखेलया
मनमयेङ्गसर्पतिथक्षगनेस्माकेऽानेङ्को ॥ श्रीजयवाल
॥ ३ ॥ सीतानाथचंद्रस्वजिवृक्षानेजकथनाजंग्वकूंदज
सनयायङ्को ॥ श्रीजयवाल ॥ ४ ॥ विस्नाथःवागमृखिम
निचूंजदहवोसंमनिलिगदजसनयायङ्को ॥ श्रीजयवा
ल ॥ ५ ॥ सकोदस्याःवज्रवोगिनिःसखदहनेमोलङ्कयःच
ग्रुनाजादसनयायङ्को ॥ श्रीजयवाल ॥ ६ ॥ ॐ देस्याःसजस्व
तिथ्यमिदस्याःवालकङ्काजिःखिपदेस्याःसुनविनायकं
ङ्को श्रीजयवाल ॥ ७ ॥ होतदेस्याःवङ्केस्वजिःनंवृअंधमिंचा
ङ्गःपनतिसमोलङ्कयङ्को ॥ श्रीजयवाल ॥ ८ ॥ होदेस्याहा
देऽाःऊंदेस्याःवज्रवाचाहिःग्रांवनिदजसनयायङ्को ॥
श्रीजयवाल ॥ ९ ॥ ग्वलाग्रुजिमोलङ्कयःविसंग्रुयानायं
यनःखलचौमाङ्गदजसनयायङ्को ॥ श्रीजयवाल ॥ १० ॥

निर्ग्रन्थिदेव्याः वालकुञ्जाजिरवासिपदेव्याः सुनविनायक
कुञ्जीश्रीजयंवाल॥७॥ओतदेव्याबद्धेस्वजिनंवुअंधर्मिणा
ज्ञःपनतिसमालकुञ्जयङ्की॥श्रीजयंवाल॥६॥ओदेव्याहा
देजाःउमेदेव्याःवज्रावाराहिःरौंवनिदजसनन्यायङ्की॥
श्रीजयंवाल॥२॥ग्वलागुजिमोलकुञ्जयःविर्स्यगृयानामी
यनःस्तंचौमाङ्गदजसनन्यायङ्की॥श्रीजयंवाल॥१०॥
कौंनियामाहादेउीवृगयाकुंचनामग्यश्रीदातकोज्ञवि
नायकेउोनेङ्की॥श्रीजयंवाल॥११॥वङ्गजनामायनःकं
ङ्कुयाज्ञौगिनिःदखिकालिकादजसनन्यायङ्की॥श्रीजयं
वाल॥१२॥ल्यांगलयाःऐंजिजवःतउादङ्कुयानागिनिःयोस्ये
देस्यागन्यस्याकेउोनेङ्की॥श्रीजयंवाल॥१३॥कोयङ्कीवाल
श्रकिःश्रीदागनयनिःलौकेखजंदसनन्यायङ्की॥श्रीजयंवाल
॥१४॥केपूयागतेजवःतकूनिथम्निलवाजाहिःकंधेख
चिदजसनन्यायङ्की॥श्रीजयंवाल॥१५॥तवोयाःलिमस्मनः
भूथकीयानाजांयनःनित्यनाथदजसनन्यायङ्की॥श्रीज
यंवाल॥१६॥वूतिस्यानापायिनायःज्ञनवाहायाःजर्म
गाजालयुमचूदजसनन्यायङ्की॥श्रीजयंवाल॥१७॥लूति
यावृक्षायनिःथवहियागयज्ञस्रवगवनिदजसनन्यायङ्की॥
श्रीजयंवाल॥१८॥वावहियागनयनिःस्वासावेःधर्मिजा
गूहेस्वचिदजसनन्यायङ्की॥श्रीजयंवाल॥१९॥श्रीजयंपम्
पतिःवालसकिनागःदकोकंदलदजसनन्यायङ्की॥श्री ज
यंवाल॥२०॥लमलियाकालिकाःपवलियाहेवंजव
याऊंप्रजनिश्रीशिवाहानंमादेवःदेउोदकोवजदिगोवोवा

यैवालाय ॥२०॥ लमलियाकालिका प्रबलियाहेऽ० जव
याऊ ग्रहपतिश्रीशिवाहानसादेव देऊदको वजदिऊवीवो
ङ्गा ॥ श्रीस्वयंवालस्यकिनागश्रीः ग्रागतऽधाचङ्गा ॥२२॥ ग्रह
जागसिङ्गाज्या ॥ ॥ श्रीस्वयंलनामकाश्मः कामूनायाहन्म
॥ ॥ उनकपूलिऊङ्गः नामश्रीवैलोवनः ज्यूपूरुवधकासि
यङ्गा ॥ सिंहयाङ्गसवोसविंलपाऊमनःदयकूथसंसाज
सालङ्गा ॥ सालजाऊकूलऊोसथिनकंज्यासव्य ॥ ७ ॥ गगान
वंचनज्यऊोलयमूनिःनिर्मलसालललमियानिःजूनिन
वलपूऊःनिगूलिदंतयूङ्गःकूवूस्मलथसलिजङ्गा ॥ ना
मकाऊोलमनकाऊोथिनकंज्यासनै ॥ २ ॥ सूर्वनसमलूले
जलसल्वमनि ॥ लोकसज्यूल्यमूनिङ्गःजूनिलोङ्गेले
सऊःगूजंगयाङ्गसवोसेःलोकयावलिद्रसोयाऊोङ्गीःख्याल
यायमलेऊोनिःसिधकेसवूल्या ॥ ३ ॥ जूनवचनःजूमि
तीएवमूनिःजोगसङ्गजंङ्गगऊोनङ्गीःताहाकवलकेस्मऊो
पिकपनिस्वसाःमय्यूयाङ्गसवोसविज्याक ॥ सपतिलको
ऊोलिऊोःतापाक्षमलेङ्गी ॥ ४ ॥ कमलनार्यनःस्पममूनिः
ईमिसल्लसादयकूङ्गःवलिखासमयसऊोसयावाहनः
नाऊसलिलूलिस्पऊोऊमकःदियमलेलोकपनियकवि
तयाङ्गो ॥ ६ ॥ लसिकलल्डपनिखऊोमनलजवजःपूजो
ङ्कलिजोनेमनमयूङ्गःचयमलोलतालऊोःलालचूखेतस्य
ःमिरकनङ्गिलूङ्गिलस्वलङ्गी ॥ सिमःमदुमङ्गपनिखनाङ्गाजा
पू ॥ ऊाःथङ्गजमऊोङ्गगलिःखऊोखऊोमधिपलिःसपल
सकापलदूथनाङ्गीःनजनैङ्गयावोनङ्गिलूकसोमखिःस

नाजसलिलसिस्पर्शोऽमकः दिव्यमतेलौकपनियकवि
नयाहनौ॥६॥लसिकलएडपनिखजोमनतजवजपूजो
क्कनिजौनेमनमदुक्कःधयमतौलनाडोःएलनक्खेनस्य
:मिरकनग्निदुग्निरस्वनक्कौ॥सिमःमदुमक्षपनिखनाक्कना
पू॥ऽ॥थइङ्गमअइगनिःखजोस्वजोमथिजनिःसपल
सकापलदुथनाक्कीःनजनैङ्गयावौनस्थिदुकसोमखिः॥स
क्कलमःदुकमलन्याहुकि॥थथमथुमथिपनिःमनलिकाहु
नै॥७॥क्कावकक्षःश्रीपनग्नितमलखजोमखुस्वजोःजननिद्रा
नःधमयासालक्कीःपिनानजौव्ययकेःनयानजमिहुन्य
धमथथपियस्वहुनै॥श्रीस्वयंहुनामकासकामनाय
हनै॥६॥ऽ॥ नागसिक्काज्या॥ ॥संसालयाकायनःवि
गनस्तुकाजैःसिधियालागनपतिदेजौक्कौ॥वसिङ्वासम
यसःजौगमकाजैहयतैलक्कौ॥जोपियदिनजौदुविनीविनायं
यनःधलयामायामदयकक्षःप्रिथिविसहनेयानाजोगमका
हलक्कौ॥३॥कक्षसजोपियःज्यामिनिहालजोनःक्षसिद्ध
धःनकाजोजोयक्कौःप्रुथस्यामिगदयहिस्थायज्यामिनसं
हिनकसक्कायानाजोयोक्कौःदग्निजोयसयाध्यरुहेःमहे
नग्निजानःक्कौ॥४॥सयाध्यरुकोग्निनःक्कायकनग्निनेःस्प

लकविंगलइलङ्गी॥ ओहुलमद्रयकं वृथ्मतंधकाधांय
कोजनच्छ्रुधकान्यनिजोःथ्रुडवज्ञापूसामिनसियक्षम
निजा॥ ७५॥ हाइजाङ्कुथ्मनःआजागथ्यायायत्रिनःनिस्का
जनवृरुगकेमनिजा॥ आस्मध्यहाइहृयइवच्छनाविनतिया
याथनतलिलाहतिमासन्यःथूलिवसजूच्यलइललाक्रियथा
मइवूला॥ ७२॥ म्यवतोकायंनत्रिङ्खानामइवूलाइतःपूसामिनसि
यूधकाङ्खानाङ्की॥ जूमलिलाक्रङ्खानामयिक्रङ्खाय म्वालगुप्त
गुःगुपतनक्षोयङ्की:निक्षसूर्वंब्बालयायतलेनिमासदे॥
७३॥ जूयलेहाइहृयःक्रिववनेन्यइलःजिनजाविंङ्क्षक्षतारे
ठेङ्की॥ पीनपालसातमयिःत्रिनक्षविंङ्कवियत्रिकेदूगमी
हृक्षमोकाजेङ्की:निक्षसूर्वंब्बालयायथहानिमासदे॥ ७४॥
मासदेमासध्यहिम्यायमतेहाइसमाथ्यजसत्रिनकेठेङ्की॥ जू
मलितलाजेमयिःत्रिङ्खनादयादतःलकक्रिखक्रत्रिनधूनङ्की:वि
निक्षसूर्वंख्यालयानाःआनंदुनवोठेङ्की॥ ७५॥ खनयोहाइन
ग्मखसङ्गायकनःहतिवास्वयधकोकालङ्की॥ क्षायकनंवाक्रख्व
धानकोःथेशेक्रपाथमनस्वसःहाइत्रोजूतिगसतालङ्की:निक्षसू
र्वंख्यालयानाःआलिंगनधूनङ्की॥ ७७॥ सयाथरुकोत्रिनःजे
सत्रोकेन्यधूनःक्रिङ्कुनिदूखतायमतेङ्की॥ क्रनिजेक्रमस्वूम
यिःत्रिनिजोठेमासःक्रङ्कुनिदूखतायमतेङ्की॥ हेयहेयकेकंजे
प्रास्वानःन्यानाजेनिजेयङ्की॥ ७७॥ क्रज्ञानपनंमिसागुरुज्ञा
नपनंमिसाधेजेजावाङ्क्षिप्रास्यजेलङ्की॥ वूयिवोजेंक्रूयि
जेलायकूयावंजास्वानजेनाजेत्वायहतमालङ्की:त्वायहतपाहा
मसियाध्यःमिसात्रिनःमम्वालकाजेमियस्वजेङ्की॥ सा
यकूमावंयास्वानःजेनाजेजायात्रिनःक्रमितक्रहाक्रहो

यानाजीतलेंःलविवासिवाय ॥१६॥ जूंसज्ञानपनधका
मसियाध्यःमिसाज्ञितःमम्वालकाजेंमपियस्वजक्षी॥सा
यकुमार्दयास्वानःजीनाजेंजयाज्ञितःकुमितक्कःकुरु
काजेक्षीःज्यामितस्यंःजसतायाजेंमपियधूनक्षी॥१२॥सं
बतव्यासलःजूरवादकुस्वपक्षःजूमावास्माःस्वप्नवाज
बिनक्षी॥हाजहजिथ्वदसयाःविसूमत्तस्तरयाःजस
यापजकापवीलक्षीःलालावलीज्यालयानाजेंमपियधू
नक्षी॥२०॥ॐ॥जागसिद्धाज्या॥ध्रु॥ॐनमोसयस्तुतिःॐन
मोगनपतिसिधिसिधिफलविय्वंस्वाहा॥सिद्धाज्यावेल
सम्वत्सविजहत्याःजलूमंतस्तुस्यपिछायमालक्षी॥जूरासंखि
खितथिजमदूयोजयकाजयाकुरुय॥१॥नवकोयाजडएनज्ञात्यं
नानाजंगस्यानस्तस्यःमायामतथिजेग्वज्ञमिज्ञनं॥तिगथसमी
लक्षूयःजिजलजूनखल्यःस्तुतिदूंयाकजेंक्षप्रहनी॥जूरासंखि
मासबवीविलस्तूलछनकूखक्षसन्य॥२॥मीहलसदूहिस्यमन
मदूमनदस्यःजूहगतिमित्यविस्यहलक्षी॥तोलयमनर्मकुरु
तिं
सिन्यहपिजज्ञात्यःपूसामिनंजिनजेंनाजेनक्षी॥जूयसखिवा
याजचिंक्षेलमदूखोतूनकरवायानं॥३॥वाश्वयासिन्यहज्ञात्य
पिजनियादातिश्चत्यःप्रथमत्रजलनविस्यहलक्षी॥मरुयाधिंजै
यःसजिलजिगर्दंगस्यहलमदूसिमाथनिछेनक्षी॥जूयस
खिस्यहलधेसजिजेंपूरहस्तूलमनां॥४॥गिलोयोमनक्षस्यतां
सिंगिजिसिनत्यःजिर्दंजिस्यंजिजोहिनश्चलक्षी॥गूसहोलजोल
स्यानहवलंजूनमरूत्यथंजजलनयजथनरूनक्षी॥जूयसखि
स्यिजछनियायंयाकनजिश्चलक्षी॥५॥स्वयमदूमास्यामत्य

मालङ्का जयश्री श्रीकाहालिमा ॐ दे वि उंधाजया कङ्गो॥ ५॥ ज न
ओजिनिजनजिनअ पजवननिधंकाकः धमङ्गनजसनविजयाक
ङ्गो जयश्री श्रीका॥ ६॥ दे विधातैमोतङ्गयसनिजनिजमतङ्गय
के हजिङ्गयादङ्गसनयायङ्गो जयश्री श्रीका॥ ३॥ ७ नजिपंचन
जि नाजायजिनामलोकः सासिकनामधेओ॥ सिधङ्गो जयश्री श्री
का॥ ४॥ तेनिस्कौनिदेवगनंदेविधातैनापलोकः सासिकनाम
धेओ॥ सिधङ्गलङ्गो जयश्री श्रीका॥ ५॥ सिवजाजिमेलाङ्गचिजिजि
नजिमोलङ्गयद कोपायङ्गतकिजेननाङं जयश्रीश्रीका॥ ६॥
नपालयाऊगपतिःसिजियनमलङ्गप्रजायातङ्गवविखंतेलङ्गो
जयश्री श्रीकाहालिमाॐ विजधाजयाकङ्गो॥ ७॥ ॐ॥ जागनिर्ग न॥
॥लोकनाथयाङ्गयंधाजननाङं॥ ङ्गयूनयाजनङ्गस्यजमिलो
ङसिलेनङ्गस्यङ्गयवजयानविस्यंजूनाथयानाथङ्गस्य ङ्गमोग
पासजोस्यंजोसानंजेयाजिजूनाथजिवनाथजिजूनाथःलोक
॥ ८॥ कनकमएकसकनकेनकिस्वानकजनसकूंदलाछि
ओ॥ कङ्गनानिधनःश्रीकङ्गनामयंकङ्गनाङंस्वयेजिनमाल
३लोक॥ २॥ मनिमयंतिलाहिलमनजनेङ्गोथिकःमनिमय
लालनकियाजो॥ मछिंद्रनाथमनाथास्वयूपमनजथयूपे
याङ्गमालजिनमाल३लोक॥ ३॥ ॐधजङ्गलऊनसंङ्गगल
नाथमानःङ्गखावतिङ्गवनयानाथ॥ साजेप्रएकङ्गनाङ्गिस्तीत
याजःसखावतिवोनायंयमालजिनमाल३लोक॥ ४॥ जसदा
ङ्गवनलालतापूजसजधस्यनाजविंयाक॥ जथगजजल
सालयाधनिश्रीश्रजिंद्रविक्रमसाहादेवसाडेवसाहादेव
जोकेनाथयाङ्गयंधाजननाङं॥ ५॥ ॐ॥ जागविलाः॥ भोले
जएनविनहिथिजेसवजसकजिजेहाभाजोवासनदेविय
जसडवएवजाःछिनकतदेहोस्यानाहिप्रान॥ ६॥ हेप्रियमूकजि

जोकोनथलडुसुखजननानी ॥ ३ ॥ ॐ ॥ जागविलाप ॥ थाले

जनविनहिथिजेसवजसकजिजेहोमाजोवासनदेविय

जसडवलवजाछिनकतदेहोसकतनाहिप्रान ॥ ८ ॥ हेप्रियमूढजि

वानतूजोजेहोसिमूढबलजूनपुजेमीदिजिजिवादाद्यविद्व

मसासदेजेजजनकमलजोसधानपहेप्रानविनूसूनजसविन

हिहोमाजो ॥ २ ॥ ॐ ॥ जागप्रभातविलाप ॥ ॥ थथिळगयसद

कोजीलताजेहजिगनजेय ॥ ध्रु ॥ द्विद्विछियाविजहुनरुयम

रुथमन ॥ डयिनिथछनकाजेहजिगनजेय ॥ १ ॥ स्वप

नसडवनागूथरूलजिछकाजनझालसाकोतणागुंथ्यान

काजेहजिगनजेय ॥ २ ॥ नकोयातडलनरुयमरुथमत

हमलमदूरगुंथ्यनकाजेहजिगनजेय ॥ ३ ॥ ॐ ॥ जाग

घातविलाप ॥ ॥ गनजेनालायजेकुलहजिहोसहनि ॥

ध्रु ॥ वानेछिनदैध्यान ॥ विनाथिंजयाचिजेभ्रतारो ॥ १ ॥ नको

नाजेजडलनघजेथलेनथवजम ॥ गथहनथवगजनथनि

॥ २ ॥ गस्यजेनथवसजल ॥ दिजदयाप्रहजेतण ॥ ३ ॥ मिनि

तिव्यझप्रह ॥ जरुलायामनथूजेयाजे ॥ ४ ॥ ॐ ॥ जागघाव ॥

प्रताल ॥ ॥ जामनेछिगव्रलोनवकुसमयकाहामिलोजे ॥ ध्रु ॥

जससवमनोहयकूसमरुल्याजि ॥ कोकिलबोलनलाहा

लेवूं ॥ १ ॥ घजिघजिछिनछिनरुगसवविनेलागि ॥ हूंतविन्

कैसयकनेछिनलागि ॥ २ ॥ लनजीलनयेजनथगाथ्यो

सि ॥ हमवयलागिगहूं ॥ ३ ॥ ॐ ॥ जागवीनति ॥ ॥ ज्र

नवासग्यकोसवागमूर्तिसिसजेश्रीजयगनपतिपिज

लिछिकेजे ॥ ध्रु ॥ सिलसिद्धिबोलजेजूतिवानलाकेजे ॥ सि

लसमगकल्याचंद्रमानलोजे ॥ १ ॥ सेतलोगलोकजूति

जससवमनोहरः कुसुमरूलयाजि॥ कोकिलवोलनलाल
लेव्॥ ४॥ घजिघजिक्किनक्किनरुगसवविनेलागि॥ हरिविन्
कैसयकनेकिनलागि॥ २॥ लननजीतनःवेजयगाथ्यायो
सि॥ रुमवयलागिगहूँ॥ ३॥ ढ़ेंढ़ें॥ जागर्यनलि॥ ॥ज्
नवासग्यकोसःवागमतिसिसजेःश्रीजयंगनपतिःपिज
गेक्किकेजे॥ ध्रु॥ सिलमैःनिवोद्गाडोःजूतिवानलाकेजे॥ सि
लसमगकलूयाःचद्रमानलोजेजे॥ ४॥ सौतलगनाकःजूम
गनलाकजेःनिश्चनिपदंतपिकासेसतूजिसहालजे॥ २॥ प्याथ
लेतलश्वलःवेकोरवनालोभेजेःमालिनियाइलेसयापूज्य
पलेहलजे॥ ३॥ वाहाधसात्यानसामधिज्ञवाछ्याजेःजिधि
सिधिरुलविजेक्षजेवोदजधायजे॥ ४॥ जूतनासग्याकोसवाग
मतिसिसजे॥ ध्रु॥ जागासकलियाःगालगञ्॥ हरिक्किविनाद
मेवमदःजूनेगस्वयाजे॥ ध्रु॥ नेजयास्वलनजेसःमदनश्वक
लूपदःविचालनियानाजेस्वरुजिनःहृदि॥ ४॥ पद्मसनेया
ज्ञानमिसमाकन्दलं॥ हरयामनेक्किनःक्किवचननेनेङ्गलदोग
जेजयानाञ्जेजेःकिनःहरि॥ २॥ हरासनजेयाथनःसहजोहलाके
॥ सहजेविनिहरिःऊषेऽकलोलनिजेःजयमनिथनवोजेवा
लाहरि॥ ३॥ जससयास्वजसनङ्गेजेनियान॥ पिजनियामसथन
दङ्गेजमगयाजिनःकपतिपिजनिमासकेनःहरि॥ ४॥ क्षीव
ज्ञानक्षेगयाःविचालयानाजे॥ संसालजगतक्किनःलउबलपूर्व
ज्याकेक्षःयजसनविचालेलक्किनःहरिक्किविनानेवमदनं
नेगलयाजे॥ ध्रु॥ ४॥ ३॥ जागलजय॥ ॥ संसालसउलहेलवा
[illegible]

पमसायि जेवे स सऊनमोऽनन्यनिजो जे: सानातंलाप्यमद्
मनूक्ष्वजजमलाभयोथथिनरजिलजै॥८॥यजागृय
न्यमदृयलेवोन्यमदृजनिजोजमदूजोलजे: जमयाद्वत्य
तयनेमहूजोनेधनःपन्यमहूमामवृवानचे॥१॥याहूने
लोकजनविजयत्यासजनसभिजोरंगीनयाजेजै॥ श्लोक
जपहूनिजनोविजत्यासजनसशंगदूगकलजिसजन॥
न्यपालयाच्छत्रपतिभीपिथिविजविक्रमसाहायेन॥जेस
जीतयाप्रतापवोत्र॥६॥ २॥ ३॥ two

रजाग ॥नूजोजानिन्हेंस्वजियाजपर्तपयाया॥ध्रु॥थजेप्
पृःजाजकूमाजःपृथिक्रमसाजिनि॥माहाजानिमंदजिःसाहनजन
मोवनजोऽन्यसंयोजानि॥१॥दकोलोकविजहतःखोयाजलिस्य
जेला॥दोलथद्रव्यकाजेलोकःजिजेन्यगेलःलोचमनप्राजो॥२॥
दजधसजोजातयाजेःसलयानयायधूनःमृगवनयामिलंग
जेयाजथहाकलस्वजेजानिलाजे॥३॥दजथयानयायधूनः
थजेपृथ्वत्कंछिस्यःकाजेजानिजाजेकूमाजःफूसातार्थेन
स्वजेजानिभ्राजे॥४॥दस्वनरोलवनयाखलास्वजेजानिकोंक
लहातःजयनमोवृधयागृजपनेमधमनानियाज॥५॥धंदेधा
यधमंवितःकरूनावंनजाज्ञा॥दकोमायालोलताजेःयानपून्य
याप्यविख्याक॥७॥जसगजघ्वातसालःमृजेंद्रविक्रमसाहा॥
श्लोकजयाविनतिनःजगतजधजयायमाल॥१॥---

१जागतियगुन॥धर्मिधमृ॥हेगवानयाहूवेजधजनना
नै॥ध्रु॥मथदजोजनःसिंहवाहनःश्रीवैलोचनमंनाजा
थिनजेसयाजूपेहेमालयाजनरेहेमालयाजनजेश्रःहेमाल

१ जागनिचगुन॥ धर्मिधम्र॥ हेएगवान्याएुवेज धज्जनना
नै॥ छ्रे॥ मध्यद्जोअन्तःसिंहवाहनः श्रीवैलोचनम्॥ नागा
धिनजेसयाजूपेहेमालयाउनरहेमालयाउनजेक्कःहेमाल
याउनलेःहेएगवान॥ १॥ पूर्वद्जोअन्तःहस्तिवाहनश्रीजै
ओहेसूनि॥ गधिनजेसयालूपंजाकासयाउनरजाकासयाउ
नलेःहेएगवान॥ २॥ दखिनद्जोअन्तःगजवाहनःश्रीजल
सैएवमूनि॥ गधिनजेसयाजूपःगुर्वर्नयाउनरसूर्वर्नयाउन
जेक्कःगेवर्नयाउना॥ हेएगवान॥ ३॥ पछिमद्जोअन्तःसमयू
जवाहनःश्रीअमृतंएवमूनिःगधिनजेसयालूपंहेगुलियाउ
नरहेंगुलियाउनजेक्कःहेगुलियाउनःहेगुलिहेएगवा
न॥ ४॥ उगयद्जोअन्तःसगलद्वाहनश्रीजमाधसिधिम्
नि॥ गधिनजेसयाजूपंकलिखायाउनरवलिखायाउनजेक्कः
वलिखायाउनलेःहेएगवान॥ ५॥ ऊक्कनग्गक्कःसयःखगुलि
दिगलस्यःपंचजस्मिःहस्तिविद्याकः॥ पंवतायासहितेंविद्या
करःसहितेंविद्याकजेक्कःहेएगवानयाएुव्यजधज्जनतानै
॥ ६॥

१ जागजूस्कृति॥ गलंचो॥ ॥ धंधेपजमेस्वजिहाजतिमाःअमृत
हस्तचपविद्याकक्क॥ छ्रे॥ गेमचवजनजेसःजेजपुकासयाना
जेविद्याकक्कःपंचयूंसनयजिवाजमूनकाजेविद्याकजेक्कःधं
धेपजमेस्वजि॥ १॥ सितसमुकलूयाहेलमोनजूतिकाःस
एंदलनगुयाजेजे॥ गलसकोस्वास्यगलनजमूद्रमालाजेमा

न॥४॥ ॐ नमो भगवते श्रीमन्महासिद्धिम्
नि॥ गधिनजे स्याचूपकलिकाया ॐ नमो वलिखाया ॐ नमो क्षः
वलिखाया ॐ नमो हरिग्रीवान॥ ७॥ ॐ नमो नग्नक्षुरस्यः अंगुलि
दिगलस्यः पंचजसिमुखस्यविद्याकं॥ पंचमुखसिंहाजसूत्रकाऊविद्याकंक्षः धं
धेयजमेस्वजि॥ १॥ सितसमुकलूयाहेलमोनजूतिवंकुस
सकंदलनगुप्ताऊजे॥ गतसकोस्वास्यकलनजमुद्रमालाजेमा
नाःधंदेयजमेस्वजि॥ २॥ स्वस्नमवाजर्जगस्यःक्षंमवा
खऊंतस्यविद्याकदमिनलयाऊजे॥ क्षंमवावेदूनचा
स्यःहजस्वनविद्याकक्षःमाताधंदेयजमेस्वाजिःहाजेति
माह॥ ३॥ धनराहःधनमयहंधऊजेथमसकलजेमा॥
लाताराहःलाविमंहूःधनंजयसोहकंमाताःधंदेयजमेस्व
जि॥ ४॥ श्किगुनामकास्यचोनाःश्किगुनेहजोस्यश्रीवोना॥
थऊंमवालपाऊंजक्षायाअंगिनलयेमाःधंदेयज
मेस्वजि॥ ५॥ सकुजियाःनिर्दयानभूतिकस्वजिसिलये
माः॥ जिस्वनाऊंकचूनाद्विस्किनस्यजिगलेमाःधंदेय
जमेस्वजिहाजेतिमाह॥ ७॥ जन्मजेन्मश्किस्वजुस्कनांज
लिमां॥ थूगुहूस्वकस्तनजेयानाश्किंजिगलेयेमांम॥

धंदेयजमेस्वजा ॥ २ ॥ ॐ पालयाक्षमतिप्रियविजयिक
मलाला ॥ क्रांकङ्कयाविलंबितैलमादया ॐ
ह्रूंयजमेस्वजिहाजनिमाशुजनस्तनुपविद्रा ॐ क्रां ह्रूंयजमे
स्वजिहाजनिमाशु ॥ ६ ॥ ॐ
जागमार्सि ॥ ॥ देविवैश्रविवालग्रंधजिस्वर्गस्तुनसोप्या
ॐ ॥ ध्रु ॥ वालग्रंधजिकालिकामा ॐ वंदुमूलजिया
नियाँ दमजूंदिमिदिमीजेरसंखवाद्येस्वर्गखंजचूधाज
नि ॥ १ ॥ वालग्रंधजिॐ स्वजिमानिग्रंजखंजचूधा ॐ
जनिदमेजूंदिमिदिमिजेरसंखवाद्येनिग्रंजखंमचूधा ॐ
य ॥ २ ॥ प्राज्ञमग्रंमचंजाजवाद्येधूंगुलाद्येवंधा ॐ
यजमंधजागजैरविजनकालिकाजगामंगलग्रंमॐय
॥ ३ ॥ ओंनिद्रजमगंबालग्रंधजिःस्त्रीजनकोंगनियाशिय
स्यबलंजनकोंजेरकंजगंओंविनिनिमंगलग्रंमॐय
देविवैश्रविवालग्रंधजेस्वर्गस्तुनसोप्या ॐय ॥ ४ ॥
जागर्स्तुनि ॥ मनकामूसाधविणाजनिग्रुनया
वडवानि ॥ ॥ अनवानपाजवानि ॐ ह्रूंवालग्रंजजोनि
॥ स्वामिह्रूंलहेजनंनि स्वामिह्रूंलग्रीपग्रुपनि ॥ ५ ॥ सं
सालसमर्दुजिनिवाजैवाजदूंबह्रूंलजनि ॥ ओंन्यचोन्य
हेजनंनिजेन्यचोन्यमर्दुजिनहेतु ॥ ६ ॥ पनितयागनि

जागरूकनि॥ मनकामूसाधविणाजनिगुनया
वडवानि॥ ॥थनवानपाजवानि नेजरूलगुंजजोनि
॥स्वामिरूलहेजनानि स्वामिरूलगीपगुपनि॥१॥सं
सानसमर्दुजिनिवाजैवाजदूश्वरूलजनि॥जोन्यचोन्य
हेजनानिजेन्यचोन्यमर्दुजिनहेतु॥२॥पतितयागनि
मनिदजसंनवि जेजिनहनि॥रूनकिजेहेजनर्व
निःरूनकिजेपामलोकनि॥३॥न्यपालयाक॥
नुपनिगीपिथिनाजायनःमुडवविजेहेजनर्वनिःसुडव
विजेपजलोकजनि॥४॥

जागरिक्षाज्या॥ ॥क्षायपुरःखोयकेगमकेनूगलमक्किनक्षो॥
ज्याजोन्यगोहलचिना.पजदेसमालपुरःक्किनेजिमायाकेनका
जोनलक्षो॥१॥मलेजोन्यधाकाध्यांमलेजोन्यमाडूपुर॥क्षिगु
गुनमायानकेनकानलक्षो॥२॥क्षुनजाचूलिजालःगानस्कोय
पुरस्वामिथ्वरूनःवाजथनरूगक्षो॥३॥क्षूलाजिंनिमिसा
जानिःपूजूवनजोनजितक्षो॥यानकनन्निचोन्यमालक्षो॥४॥
मिनिक्षंदेनालासाःयाकनदन्यमाल॥जैमोपुरूजिनसका
जेक्षो॥५॥क्षिधवाचोनामिनःदडवलडवदयाजोल॥क्षूजेलाजि
चोन्यमरूक्षो॥६॥निस्वयनंजोन्यक्षलाःपुरूग्वलिनकाजेरू
गनत्यग्वतयाजोन्यक्षो॥७॥क्षिरूक्षमदयकेःजिगथचोन्यपुरू॥

जानि:मूजूवनजोनजिनक्रीं॥याकननजिचोन्यमालक्रीं॥४॥॥
जिनिक्रंधनालासा:याकननधन्यमाल॥जेमयो पुरुजिनसका
जोक्रीं॥५॥क्रिंधवाचोनाजिनःदश्वलश्वदयाजोल॥भूजोलाजि
चोन्यमरुक्रीं॥७॥निस्वयनंजोन्यश्नलाःपुरुम्वचलिनकाजःरु
गनत्यश्ववतयाजोन्यक्रीं॥७॥क्रिंक्रंक्रमदयकंःजिगथ्यचोन्यपु
श्विवनानंमेवजिनमरुक्रीं॥८॥क्रायपुरुश्वेयकेगमगनगल
मक्रिनक्रीं॥९॥ जागसिक्रांजा॥ ॥क्रूनिक्रूनिसक्रिंक्रनवोनाजे
क्रीं॥सपनसदबनिजो॥जिथसजायुजेःशून्यगजसयाक्रुक्रांयुजे॥
कनाजेस्वयंजिनःक्रिंक्रंक्रमदयिजेःजिमनजयिनिःथ्यन्यनिजो
॥क्रूनिक्रूनिस॥१॥लोयनिरूयिजोलाहानिकेनाजोंःवेदानजिगुलो
यमसिठोकाक्रुइवोनाजोहिजो॥जिमनचोनिजोःशून्यागपंक्रुल
लायिजोःक्रूनिक्रूनि॥२॥जाजाथारुविगथजो॥जिजोन्यमजिजोःजो
न्यक्रूंकाकनय्धायुजो॥वोनाजोहिजोसक्रिंकजोनाःसहगुविन
लियानाजो॥क्रूनिक्रूनि॥३॥जिजोन्यक्रंमसिजोःसुधकाकेनि
जोःथक्रंकःकन्यजिमसयिजो॥स्यनजिनक्रोजोःहनासंगजोःक्रांक
क्रांक्रुनवनिजो॥क्रूनिक्रूनि॥४॥

जागसिज्या॥ ॥मतेल्यनदूजनिमाडजधानयाकुन्ये॥पुलचोयामा
डधास्यलकिमिदविःमनूक्याःगनिमतिस्वनकी॥स्लचोयामाड
धास्यःक्रसाकालेगसिक्रांज्यापुसेन्य लोकनानासकास्यःदसाकालेः॥
क्रांज्यापुसेन्या॥मतेलेनदूजनिमाडजधानयाकुन्ये॥वा॥धिला

ओः ध्वक्षकः कन्यजिमसयिजे॥ स्यनजिनश्रीजः हनासंगजः क्षाक

क्षकक्षसक्षनश्वनिजे॥ कूनिकूनि॥ ४॥ ॐ॥

जागसिज्या॥ ॥मनेत्यनकूप्रतिमाक्षउधानयाकृत्य॥ पूत्वोयाम

क्षधास्यःलक्षिमिदेविःमनूजेयाःगतिमतिस्वतक्षी॥ क्षत्वोयाक्षमा

क्षधास्यःक्षसाकालंसिक्षाज्याप्रसंन्य लोकेनामकास्यःदसाकालेःस

क्षाज्याप्रसन्या॥ मनेलेनकूप्रतिमाक्षउधानयाकृत्ये॥ वा॥ धिला

वोयामाक्षधास्यःनजेधनयानाहागिनिःक्षक्षयक्षायागनपोत

दजेःक्षी॥ निधिसिधिःलानकाजासिक्षाज्याजेनपतिःजमक्षजप

सन्या॥ मनेत्यन॥ २॥ कजेनयेयाचोसःविद्याकक्षिमाकोसःजो

गिनिगानमनकाजेक्षी॥ याश्वनक्षूलजूनःऐजनसहिनःभूक्ष

गंवाजनथनाजेआगनेत्यन॥३॥ दमनूदूननूनःसवनक्षूनू

नूःतायाजेदेनेसूनज्यकक्षी॥ क्षिलाय्यासवदूनथयाजेत्रि

वनःतायाजेदेनेसूनज्यकक्षी॥ मनेत्य॥ ४॥ लानमलिको

क्षयावजनःहेगुलिया क्षसमवनमोनिया॥ कोवयाहा

नतिसनजक्षेगुलिनन्याःगलसमूहमालानकोक्षास्य॥

मनेत्यन॥ ५॥ वूदनिक्षानःगुगुक्षातेपिनाहयानक्षाःसंयताय

क्षाथपियक्षी॥ हिमस्यनवूपास्यःजूजनेःकूक्ष्यामाय्यलोक्षी

क्षस्वतिजेमपियक्षी॥ मनेत्यन॥ ६॥ गीकिस्तूजमक्षकक्षे

सुजःक्षेस्यलक्षिमिसगस्वनिजेमपिनक्षीमगीकिस्तूग

[illegible] ॥ ॥ ॥

स्वामिसङ्घा ॥ ५ ॥ जेन्यचित्तमनमदुःकलोगसजिदुखःखिजेश्वा
गयाश्रज्ञिमरुयाङ्गा ॥ जेसवज्ञिझसनस्कामयाजोजंपुस्य
चौनाथसलालपेज्ञिमरुयाङ्गा ॥ ज ॥ ६ ॥ ७ ॥
जागसिङ्गाश्रा ॥ के ॥ श्रीकुरुनामयलोकनाथदनसनयायङ्गा ॥
ग्वजवनाथनहिङ्गाहोनजेयाजोःलोकनहिङ्गामच्कङ्गाःनजनो
गलोकपूस्यआसनयानाजोद्यदसवर्वजोमगनकङ्गा ॥ १ ॥ नचिंदुये
वजोवंधूदत्तसमनर्कोनकसहितनजोनङ्गाःनगनश्रीदेससज
पनघसाधनाःकमंदलसकिसलिनपलङ्गा ॥ २ ॥ जाजासकेहोना
जोलोकनाथहयाजोःनेपालसथनकलहनङ्गाःग्वजवनाथनं
लोकनाथवनाजोःदनाजोदनसनयानङ्गा ॥ ३ ॥ थुगुलिदिनसन
जोनागजोनाजोःमूसधाजापनमानजोगमकःमधुजोगातका
जोःश्रूहाजविद्याजोःज्ञानंडुलोकजङ्गाआनङ्गा ॥ ४ ॥ पूसाजोसेलाजो
वेलेकालेस्वयाजोःसिङ्गाश्याङ्गाकिङ्गाकियानङ्गाःसिङ्गाश्याधूनं
काजोःश्रीजोनमथिनाःपिंडपातुजूनयानयानङ्गा ॥ ५ ॥ वैसा
ग्वमसिनायापजिजोदिनसःनथसदनाजोविख्यातःविजचिना
जोयनःश्रुतिहजवनलोकआनउधजयानङ्गा ॥ ७ ॥ यानयानाप्
लवनःश्रुतिनंपुन्यलोकःएवनसपनङ्गोतिश्रलङ्गाःवैसाग्वमसि
नासःलोकनंसलपाजोःश्रुतिरदेगुपूजायानङ्गा ॥ ९ ॥ ग्वजोम
पूस्वजोधेग्वःसपनजवसनेनवनेमदुथनगलनङ्गाःसम्बतज
छिगुलिःगुगमिहिनःनछलायाशकोदसिदिनङ्गा ॥ ६ ॥ ङ्गा

नमः लोकनाथलपाजो क्षतिरदेगुपूजायानक्ली ॥ ७ ॥ ॐ ओम

खूस्वजाधेॐवः हपूजूवस्यनमवनेमदुख्वनगलनक्ली सीम्वतजि

छिगुलिःकुगामिहितनःनष्ठलायाशकादसिद्धिनक्ली ॥ ६ ॥ क्रो

कक्षश्रीजनवाहाद्वजःमाहाविजधनयाक्षःलोकनाथमहि

मावनेनक्लीःजाक्षयाक्लिमानलगनेजाजासःजूसिश्वविद्याजो

विद्याता ६ ॥ श्रीकचूतामयनाथदजसनयायक्लीं ॥ ८ ॥

लागसिद्धान्या ॥ ॥ मनेद्यायगोलनेभूवलाछिसंज्ञिनजोय

ला ॥ ॥ क्षिगछूवक्लानाछिनःगुगुसनेयानाछिनःथोल

यायिधकामननेमस्वयाहनेजोनामायालाःनमाक्षनेयि

नाःछिनविद्याछिनेलनलितयनेलामने ॥ ९ ॥ वूजमकोछम

खूलाज्ञानस्यनेमालनलानजोधन्यायोनायमवोछिमंखूला म

खू ॥ २ ॥ थर्थछिनजोयालाःसखूलनाधियाःमनसचोनेथ्य

निजोइनजा ॥ मखू ॥ ३ ॥ एवजाछिमखूलाःमानदूवनोयांलाः

जूपमानजवनाजोलायछिंखूला ॥ मने ॥ ४ ॥ मिंजोमिणाक्षयाला

मिलामिंजोंनेयालाःलोकनाथुधायिडवलक्ष्यामदलाणनखूं

॥ ५ ॥ याकोछिनमकजाःजिजोनापमामजाःयाथगथछिनजे

खूला ॥ मखू ॥ ७ ॥ छिसछिन्वातलामायमंधालतोःछिकलाग

जवनाजोछिंखूलानाजामखू ॥ ९ ॥ जिजोमामंत्वातलामायमखू

धालतोःलज्यामदूवनाजोमछुमकजा ॥ मखू ॥ ६ ॥ थर्थछिन

जोयतोछिसवोनायचलाम्यात्सलिंखूयकोत्वोनाचोंखूला ॥

मिलामिलं ज्ञानेंद्रियालाः लोकनाऽधाधिकबलज्ञामदूलाभमय
॥८॥याकेंद्रियनमकजाः जिजोनाथमामजाः याथगथ्यछिनजे
ऽलाभमय॥७॥छिसछिन्वोनलामायमनेधालेलाः छिकलाग
ब्लनाजोछिहानालाभमय॥१०॥जिमामासेन्वोनलामायमय
धालेलाः लेज्यामदूबनाजोमछेमकजा॥मय॥६॥थथ्यछिन
जोथयलाछिसवोनाथचलाम्याछसलिद्रथकोलानाचोन्यला॥
मय॥२॥दछ्वनसोघकलः मन्धथयमज्ञिलःछिनगोलना
नज्ञिनलोलनछ्वला॥मय॥१०॥छियथचोनानीसाजमस
मछोनाः ज्ञानिमयनाधकाज्ञिनछिवोना॥मय॥११॥जो जोमा
छिलानिःलोंनमनजाः छिछसेज्ञादनिथ्को॥मय॥१२॥श्रीजा
नवालादूजःजोछिछक्कलादनिःविचालयाम्जोमछानाक्का॥१३॥
मयथ्यायजोलनेजूवलाछिनोज्ञनजेमयलाभमं
ज्ञागामक्कानाभा॥ ॥नूथासलिडोनेनेलकाछ्वथायमक्का॥ ॥
वासलियासलगालाः नेनाजोमयाछिमद्धनेकाछ्वथाद्धने
क्कोःछिनेगथ्यथ्वपजानथ्यछलथ्यामछोज्ञिननथ्यागथ्यथ्वपजानथ्व
निक्कोनूथो॥१॥साजलजोनथ्यासकेनज्ञिनकोमजनस्मत
गछेगथ्यज्ञिनथनिक्कोनविंध्वनथ्यगसवसलमनिजेःनथ
गथ्यथ्वपजानथनिक्कोनूथाःरामधुजिपूवनसोजेनेमि
जेनसःकामयाजसनथ्याजेक्काकाछ्वनेसुखनिःमसक्ष
नाठोनूगलाःजछेडानथ्यानेजोपनथ्याःवृगछोकोसचाछेन

कालयोगसिद्धाभ्यो डो दो ला नि वो नाय दो ला ॥ ५ ॥ गु द्ध.
जागसिद्धाभ्यो ॥ ॥ काजो जा श्री हि मस्य न वि जे अ ज या
न मो ॥ ॥ वि ज म स द्य यि व न चो स्म हु ल ध्व बो धा न: ध्व नो ज म न स
जे वि मा नो ग थि न क्ष वि ध्व ना न घ ल क ल उ वा ज न: ध्व न यो नि
जो र्यि नि ध्य नो न क्ष ॥ का जा ॥ ९ ॥ च ला स न क्षो ज म न द्रु न या
अ त्र मा नि जो च्च क्षु: क्षा या ल न म गा न क्षा ॥ ज न म क्षु प्रा ज न:
म क ज ज न मा या को न: ध्व नो म द्रु न प द्म न क्षा जो क्षा ॥ का जा ॥ २ ॥
न प ध्व न या य म न: ध्व या जा च्च क्षु या यि ज्ञि न: थ्व थि न ग जि प द्म न म
क्षा ॥ दे व यो नि द्य या न: ध्व न द्य ध्व न म द्य या न: न च क ज न म क्षु ल
क्षा जा जो ॥ का जा ॥ ३ ॥ न य द्रु ध्व क्षु क्षा या: ध्व क्षा या न क को न
ज्ञि न: थ्व जो क ज म न्ति क्षे क्षा ॥ द्य के तु ल ला जा: ध्व न स
न या म न: न या थ्व ज्ञि म न स म चो न क्षा ॥ ॥ का जा ॥ ४ ॥ प जै न
न या म न: न या थ्व ज्ञि न द्य के ल त्म न: क्ष या थ्व क्षु जा क्षु घ्रि न क्षा ॥ ब
ज्ञि न्ना ल न ज म न क्ष म त प्रा क्षु या म न: म द्रु स ह क ज म ग्र न क्षा ॥
को जा ॥ ५ ॥ अ थ्व क्षा नो ज्ञ न त न: म क ज ज ग थ्व ज्ञि न: त म व् जे
घा स थ्व जा व्य न क्षा ॥ न स्व हि तु हि त म न: जो नि ल तो थ्व के नि:
स जि त्त ज्ञा क्षु क्षि ध्व ज्ञा हि न क्षा ॥ का जो ॥ ६ ॥ ध र्म ध्व ज्ञा य ज्ञ
ज म न: थ्व के क्ति न ल पा म न: स म्व ना ड न ना थ्व: जो न न क्षा
ह न न च्छ द्य व ा न: के मा ल जो ज्ञे नि गु न: थ्व स ल ा ल ज्ञ ल ा न क्षा ॥
को जा ॥ ७ ॥

ज्ञानावरणीयकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
नमः स्वाहा ॥१॥ ॥ दर्शनावरणीयकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं नमः स्वाहा ॥२॥ ॥ वेदनीयकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं नमः स्वाहा ॥३॥ ॥ मोहनीयकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं नमः स्वाहा ॥४॥ ॥ आयुःकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं नमः स्वाहा ॥५॥ ॥ नामकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं नमः स्वाहा ॥६॥ ॥ गोत्रकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं नमः स्वाहा ॥७॥ ॥ अन्तरायकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं नमः स्वाहा ॥८॥ ॥ अष्टकर्मविनाशनाय ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं नमः स्वाहा ॥९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हं नमः स्वाहा ॥१०॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं असिआउसा नमः स्वाहा ॥११॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१२॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१३॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥१४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१५॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥१६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥१७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥१८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥१९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥२१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२८॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥३०॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥३१॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥३२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥३३॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥३४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥३५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥३६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥३७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥३८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥३९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥४०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥४१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥४२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥४३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥४४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥४५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥४६॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥४७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥४८॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥४९॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥५०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥५१॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥५२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥५३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥५४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥५५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥५६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥५७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥५८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥५९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥६०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥६१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥६२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥६३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥६४॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥६५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥६६॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥६७॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥६८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥६९॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥७०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥७१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥७२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥७३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥७४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥७५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥७६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥७७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥७८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥७९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥८०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥८१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥८२॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥८३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥८४॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥८५॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥८६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥८७॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥८८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥८९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥९०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥९१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥९२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥९३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥९४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥९५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥९६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥९७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥९८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥९९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१००॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१०१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१०२॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१०३॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥१०४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१०५॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥१०६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥१०७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥१०८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥१०९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥११०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥१११॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥११२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥११३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥११४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥११५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥११६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥११७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥११८॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥११९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१२०॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१२१॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥१२२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१२३॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥१२४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥१२५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥१२६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥१२७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१२८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥१२९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१३०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१३१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१३२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१३३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१३४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१३५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१३६॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१३७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१३८॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१३९॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥१४०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१४१॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥१४२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥१४३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥१४४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥१४५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१४६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥१४७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१४८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१४९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१५०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१५१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१५२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१५३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१५४॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१५५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१५६॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१५७॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥१५८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१५९॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥१६०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥१६१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥१६२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥१६३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१६४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥१६५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१६६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१६७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१६८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१६९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१७०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१७१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१७२॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१७३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१७४॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१७५॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥१७६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१७७॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥१७८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥१७९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥१८०॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥१८१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१८२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥१८३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१८४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१८५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१८६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१८७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१८८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१८९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१९०॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१९१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥१९२॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१९३॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥१९४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥१९५॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥१९६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥१९७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥१९८॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः
स्वाहा ॥१९९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्याय
सर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२००॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठि
भ्यो नमः स्वाहा ॥२०१॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२०२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्प
रमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२०३॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचा
र्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२०४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२०५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सि
द्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२०६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं
ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२०७॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं
अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२०८॥ ॥ ओं ह्रीं
श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२०९॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॥२१०॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२११॥ ॥ ओं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः स्वाहा
॥२१२॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा ॥२१३॥
॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो नमः
स्वाहा ॥२१४॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः स्वाहा
॥२१५॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्यो
नमः स्वाहा ॥२१६॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं अर्हत्परमेष्ठिभ्यो नमः

क्रीं क्रियाः ॥ ३ ॥ ॐ ह्रीं नमः कषायविषाय मनः क्षोभिन
गति लोभाय लोकक्रीं ॥ थ्रीं लिंगोद्भवनिनः थ्रूं लिंगजमस्थ
नकहृजिनाम को डोक्रीं ॥ क्रियाः ॥ ४ ॥ मन्त्रेणनमः मङ्ग
लेसर्वान्नः मनसगथ्रागंथ्यमोसिलक्रीं ॥ मनसया सर्व च
नः सर्वमलिमक्षयान सर्वसंपापहृगयात क्रीं ॥ क्रियाः ॥
कुसंगसंगतः कूवृधिपापमनः कूगतिकूलनासङ्गजि
क्रीं ॥ यया डोधनक्षामः दस्यतस्करानमदुःदोजेडुक्षायेति
थ्रूंजगमसक्रीं ॥ क्रियाः ॥ ५ ॥ सर्वथ्थयाजिसंसर्वथ्रांजि
जंजनः सर्वथ्यपूजयजिवाजक्रीं ॥ थमनयाक्रांमक्षः अडोतर्व
यिडोः थय्यतयानापूजमात्रक्रीं ॥ क्रियाः ॥ ६ ॥ वलथडोदं
थकोः वलमधूडाक्षजतर्वलनदूरविस्मरनक्रीं ॥ पजय
तथूरवियः पजनयामलाकः पजलीकनजडोनिक्रीं ॥
याः ॥ ७ ॥ ह्रांजयासाजूः साधडोसंगः [illegible]
यिक्रीं ॥ पजयानडपकोजः पजनधजमस्वमपदलाव
पक्रियाः ॥ [illegible]
थपूजनाक्रांयाम[illegible]
नामनोडोक्रीं ॥ क्रियाः ॥ ८ ॥ वचनोसिलः वेहनोवर
वचहेनःसडःधडोक्रीं ॥ [illegible]
मडंथुंसर्वानमःक्रीं ॥ क्रियाः [illegible]
नामनोडोक्रीं ॥ ९ ॥

ज्ञा॥ ॐ नमो भगवते श्रीपार्श्वनाथाय मम
अकिलहालिऊ वंपास्वाहा ॐ लोकवशिकाय
पद्मस्वजाय नमः स्थिरस्थालस्थिऊ मनस्चंचलस्थि
॥१॥ जाऊ ज्याकसपलः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं
लूंसौंहलहैंकारन्गलत्रा[illegible]लवगलरावा जनंक
नमः॥२॥ स्वाजादिवः साऊंजनिकावः मेवया मजम
अङ्गा॥ ॐ क्रांक्रींक्रूंचिलिचूंचूंगलजावूं नाडिकपनलाथिऊ
ॐ नमोस्वाहा सूंपनाहिस्वास्वः जनिवशमवाऊंङ्गा॥ म
हूंहूंनक्षीलाजाजऊंस्वजाऊंस्वजाऊंलोमकलयकाजाऊंल
॥ॐ नमः॥४॥ स्यात्तापूंमवाजाऊंगजानऊंलगिजा
चियमनऊंङ्गा॥ ॐ सिद्धेभ्यो नित्यं नमः सर्वजऊंजनऊंलगिजा
क्षिग्वाङ्क्रिथलिङ्गा॥ ॐ नमः॥५॥ थथिनसमयसमजऊं
नथलजसजंगयायमसजऊंङ्गा॥ ॐ गथेःथथेचोवाजाऊंनाःजिंग
थेमलूंमन्यानजासाविस्यजालङ्गा॥ ॐ नमः॥६॥ होरगुरच
ऊंस्थानःएवंजङ्गलस्थानःसुधंसिंसूवासनोजाऊंङ्गा॥ ॐ पा
नंपूंसूंङ्गाविस्यनयाविलूंमायाःथूंगलिंसिस्यायाऊंङ्गा॥ ॐ
नमः पार्श्वनाथाय मम जन्यमनमयङ्गा॥ ७॥

जाऊंसिङ्गाज्यो॥ ॥ नऊंनागमेघयाजाः आगमकाप्रभे
न्याःस्लरंजूंस्फांसिंसिङ्गाज्याधिनऊंन्यःथिंगवोलादयंका

ज्ञानः एवज्ञलस्नानः शुधचित्तवासनाजाऊ॥ तप
नंपूजाविस्तरयाविलूमायाथूरुलिप्तयाजऊ॥ च
नपूजनामधिजाप्यमनमयूऊ॥ ७॥
जागसिऊज्या॥ ॥न जनागमघयाजाः आगमकाप्रमे
ज्याएलरअूरुमिसिऊज्याधिनजोन्यःथितिवोलादयेक
आधियऊ॥ पासादकोमूलकोजोकूकूसालक्रयाजोलग
जोनात्यासदकोजागऊ॥ नजोना॥१॥ क्रियाक्रियाघालेय
षरुउरधासधासलसजोनामवाचकीवृथनऊ॥ कूसालतो
लताजोलंनचोनथसूयाजोःहनदवाकूलड्यानियायऊ॥ न
जोना॥२॥ पतालिमथसूयाजोपूजोमऊतिजोनाजोःक्रियरउम
धिलनिजोनऊ॥ थितिवाधियायाःरउरधासाधसम
आधियमचायकीधूनऊ॥ नजोना॥३॥ आधियधूनको
जलसलिहाजोयाचतेःलरूनावऊानाहलऊ॥ लरूया
कोसजोनोछिसूधिनाजोनाःलरूनंसानुसालायनऊ॥
नजोना॥४॥ मनरलरूछिकोसहसजिविनतिःकविम्
क्रूस्यनकोजामतेऊ॥ नित्यमोसयानिजिमनगधानानि
निःछिमनगथजिनलायऊ॥ नजोना॥५॥ लरूनंनमनमी
चूनवूमसानुसास्यऊनापंथजंथनंखानऊ॥ मनमनेलरू
छिकोसहसजिविनतिःजिनचित्तनकोयधमयमनेऊ॥ न
जोना॥ऽ॥ छनधिजनकोयकायःनिरंजनकोध्यजोमऊ॥
ऊनयथजिनतेयातयऊ॥ पूनधस्यनेयागलिछिछिया

ओ ना ॥ ७ ॥ ॐ नमो अरिहंताणं ॐ ह्रीं अर्हं क्ष्वीं क्ष्रौं क्ष्रः असि आ उ सा नमः स्वाहा

पन्यमंथ निःखिड़ा त्याजनयड़ी ॥ ॥वैसनिवानबनिःखि
ओनिजोड़ोनिमनूनिःखिड़नोडोमनगपाड़ी॥खियनिमन
नानिःपूचूलमहियानिःखिड़ुखिनवोधतपमहचानि॥ग
पाल॥१॥ज्ञानगिनड़कलिनितसिकलमसियानिःखिड़ुखवो
लखयनिमचालानि॥खिनजाचडोनिहनासमम्लानि
जसनसिमिहोचयहनिड़ीगनगा॥२॥खानजामुखनिनि
खनकेमनेथनिःलिपनसहोईश्रीसादनिड़ी॥हनासचोय
मंथनिःखिननियायथनिवोलनेकयनिड़ीगनपा॥
॥३॥लेकासवानचावानतवसाड़नवोएथमंथचनमहचाग
निड़ी॥सापालचाकनुथनिपिथिनियाधनिःश्रीसादयाजो
यापालड़ीगनगा॥४॥दड़ी॥ ॥जोगोसड़ाचः॥ोड़ुचा
क्रियंतमनकाडोःमासयावामेकाकोसालड़ी॥ ॥कहन
मनसेमनकसूननिजेअमूगःकथिनगविलायखडोसु
खडोचमद्धचवोनमपियचोमुनेवनसंधियुखड़ेड़
क्रियागा१॥गच्यमोत्यालोनदगालमचिमनगाथमएल
पानूगलनड़ी॥घतसनियो[illegible]घतसजाईडोःघल
घनिवोचमद्धचसीगनू[illegible]या॥२॥चवोकाजो
दचनचनकिडोसिडागूनःचनकिडोगिजचमस
ड़ीगचजनसोगिउमयाडोःवंचियानकेसूनःचजिड़नि
डोनियानड़ीगिड़िया॥३॥चलचनलतचूनमचहवोध
तलेगियावोनायसिड़ी॥४॥तनविनियाडोकेकार

॥१०॥ ॐ ज्ञानप्रतियातदुःखज्ञावियमनेःपथमपापलायि
न
स्वजौःक्रौं॥ एकोमाधर्मिआजौःक्रयाथदयकाजौःथमंयाकौ
थजौःनमःक्रौं॥ क्रिया॥११॥ वचनतिनकिजौःक्रयाजिमद
ईजौःवचननमःक्रियाजौःथायक्रौं॥ हलमान्त्रियाजौःमनःहगव
नयाकेजूनःहगतिनमःक्रियाजौःधानक्रौं॥ क्रिया॥१२॥ मनो
क्षितथिजयाजौःमननंतालयिजौःमनजथपूजेयानाविजौ
क्रौं॥ यमनमयेलोकमन्त्रैवेथजनजनःयथाइवेलतपाक्रय
यमनेक्रौं॥ क्रिया॥१३॥ जसवसज्ञाउननःपेक्रूयापाउनोःज
स्याजौःधजमथायमक्रौं॥ लक्रिकक्रौंसियकिजौलोकनाथ
धकानामःलकेनिजौःजासयागुथमक्रौं॥ क्रिया॥१४॥ जौ
न्यमालिछवनस्यजौसंपोल्यानामकाजौःजौमनयानिमम
वेनिक्रौं॥ सज्ञानप्रतिस्पनःसहयायस्वजौमनोःहगुचदय
नयूचौजौःक्रौं॥ क्रिया॥१५॥ अजासगूढ्नाभूईयोनथम
ऊमायाजौःअवतगतिम्म्यालकोस्वजौःक्रौं॥ सयोथिजयाजौ
मनजपतपयायस्वजौःसहजमथिजौजंधज॥ क्रिया॥१६॥
हंपयायस्वजौमनमालगनजौथिजस्वःहनासनयकौंवि
नयाजौःक्रौं॥ ॐमाधनिजमजामालमनिस्वजपनिग्रह
ऊमानपपूजेमथिस्वजौःक्रौं॥ क्रिया॥१७॥ क्रांकमाय
जासकलःश्रीहगवानजामःहगतियामनपूजेयाजौ
यानाजगाहनपतिःपिथिनाजयिनदेवकाप्रक्रोयाकोव
ऊमायाकाक्रियाक्रथंसूमनकोजौःजामयानामका
कोसालक्रौं॥ १८॥ ॥ ॥

ॐमायाकाक्रियाक्रियर्थसूमनकोऽ:यामयानामका
कोसालक्रीं॥१६॥१६॥ ॥जोगासिक्राज्ञ॥ ॥अथ
धनमंतेनोहिक्राजाऽयगनःक्रिमन्त्रिकोऽसिक्राल
क्रो॥कोपिनकोमक्रिजोमन्त्रोधनिविजोक्रीं॥१॥गधि
नजाहेनूवचनपिचूःदेन्यस्तक्रोनाथस्वक्रानक्रीं॥स्वथना
यूसायज्ञाक्कोवूःग्मनापूलक्रु॥२॥मनेरक्रिविनतिविजो
क्रिनपिजनिःश्रलचंद्रमाऽजनूनायाक्रीं॥कामज्ञासायूज
नयाऽसेधजमदनोथक्रीं॥३॥मनसन्ताययाथ्वःसियूहि
नज्ञमनाथ्वःयोचिनक्रूलमनसंदेहु॥थजोऽसिसमूजिक्रु
यामनज्ञाजोनक्रीं॥४॥गपनमूपनयाऽवमद्वसक्रूवक्रु
सयाःनौंहूनाऽवचिथूकास्वानक्रीं॥स्वालस्वानमक्रूजेवान
एवगंसोलक्रीं॥५॥मिजनयाथसमद्विस्वासःलिपनस
यायिक्रासाक्रूसाक्रीं॥थूलियानिनिग्यज्ञाक्रिलक्रूधर्मेछि
यूलाः॥६॥क्रिगुलिधजमलक्रूनेनिदानःक्रेथिविलिक्रि
वचनमविजोक्रीं॥लोहनमचोयागक्रूवलथंक्रूयमक्रि
जोक्रीं॥७॥क्रोमथ्यनाऽवहलाःसंगेछिदमिलाःमस्थजयक्रु
लथनिक्रीं॥धजमसंगेछिदयूलाःवचनलोऽवाक्रीं॥८॥थ्व
क्रिजोनगुनलोःक्रनेक्रिधजोनलेःगोलंगेमक्रूक्रथनानक्रो
॥यलगासःमिलयक्रूःक्रूयध्नःवायमंगेजोक्रीं॥१०॥संवत
चातलःनागजथ्सामिमिस्वमवाजदिनक्रीथनक्रूलागम

याकमाम्रवनसञ्जलाशयमङ्गलाग्निनक्षत्रयोगतिलाङ्गुलिमासानक्षी॥ ७ ॥ऊर्णादूर्वाकुलञ्जाकासनऊर्णाग्निःस्वक्षत्रियानंमणिः
ऊर्जितबोधक्षी॥ तनसनऊर्णिग्निनक्षिथ्यापृक्षामिज्ञनःलज्ञा
लपेऽऊर्द्धबधसनक्षी॥ ८ ॥ सजनसूयाकेयायमिसाज्ञानि
जवलाविधात्रानंविलग्निःदूर्वाक्षी॥ स्वक्षत्रानिमिसाज्ञनः
पूरक्षनापसियगतिलाङ्गुलिमासानक्षी॥ ७ ॥ कामहचिद्रागी
वयम्निःतिथिर्बलःकामदितवैसाक्षयाकुलक्षी॥ त्वयाल
याद्धनुपतिगौरिवानबन्धपुत्रायातपुतिपालयाकक्षी॥ ६ ॥

॥ वाजोसक्षा ॥ ॥ धर्मेधानुवागिस्वजनैलीक्याङ्
सजा ॥ ग्वीहपजवनवासःविक्षाकपृथमऊसःतपसा
यानाजाविक्षाकक्षी॥ सियातथऊर्णिस्यःसैसाल्याधंदाकास्य
ः उधायानाऊविक्षाकक्षीधर्मि॥ १ ॥ वैलीवनतथागतया
वर्वसनयाःसिलसमनुकमीनियाक्षी॥ कुंदलसनिस्यतयाःनी
नाजलऊसयाःविक्षाकधर्मियाजीगसाधर्मि॥ २ ॥ ऊक्षीएत
थागतयाःवनीनिलयाःसीसालमालयानाविक्षाकक्षी॥ जलस
एवतथागतयाःवनीपिनयाःकूस्यतयाजलयास्वानक्षीधर्मि॥
३ ॥ ऊमृगीतथागतयाःवनीजक्षयाःकोडवास्यतयाःजलयाः
नाक्षी॥ ऊमागसिधितथागतयाःवर्नस्यामयाःसिलसनस्य
तयाःसनुकक्षीधर्मि॥ ४ ॥ दहिनऽवर्मीक्षीस्यःश्यामलमूस्तकक्षी
स्यःनऊंऽवऊंमाहीकालगन्यसक्षी॥ गीमंहस्वनिःमृगृष्टिज
तयाःहानगुनविऊंक्षगृजुक्षीधर्मि॥ ५ ॥ धर्मियास्वानिनःऊ
नोथथऊंसिस्यःबोधिस्थानजितविरुक्षीधर्मि॥ ६ ॥

त्वत्थअगतयाःवर्तिपतयाःश्रूस्थतयाभवत्यास्वाहाधर्मि॥
३॥श्रूमतीत्वत्थअगतयाःवर्तजक्षयाःकोऽवास्थतयाःभवत्या
त्वाहा॥श्रूमागसिधित्वत्थअगतयाःवर्तस्वामयाःसिलसत्व
तयाःमणुकक्षीधर्मि॥४॥दहिनऽवर्मीजोस्वःवामलम्बुलकजो
स्वःजऊँऽवऊँमाहोक्षालगत्यस्वाहा॥गीमैंहस्वाःमृगूस्छिज
तयाःहानगुनविऊँक्षगृजूक्षीधर्मि॥५॥धर्मियास्वाहिनः
नाथथऊँसिस्वःबोधिहानजितविरुन्यक्षी॥थ्गुलिसंसालयाः
जोस्छिधर्मियाःस्छियालिहजलपविरुन्यक्षीधर्मि॥७॥गृजूस्छिज
तयाःनामगीवागिलजविरुन्यसिधिविद्यारुलक्षी॥न्यपाल
दलयाःगृजूस्छिजगतयाःगृजूमरुलसिनमसूतेक्षीधर्मि
संसात्यकानन्धंदानत्रैलोक्याःश्रीहाविलत्रैलोक्य
वयचालऽपुनिजनःजक्षायाकःऊसत्यनःनामका
कयातोकनेक्षीधर्मि॥६॥लोक[illegible]मलधिःधर्मिजाजावा
स्वःदजसनयाहुन्यक्षी॥नामकाऊत्रैलोकेःधंदाकाऊ
ऊकुलयाःलायस्वऊऊ[illegible]यासजनक्षीधर्मि॥८॥
सजसर्वपापःदुखदनसा[illegible]कीऊःहगजन
क्षी॥थूगुलिसंसालेःगुलीनत्यदत्रैलोकयात्यस्व
हून्यक्षीधर्मि॥१०॥न्यपालसंवनःविदुसिखन्यतुःनो
नःविद्याकक्षी॥ओखधसुक्रयकुयाःथूनीमादि
[illegible]जक्षीधर्मि॥११॥न्यपालय

किंऊं ऊंक्रूपल्लदेव्वनमायश्रूलंलोंयश्रूलंथऊंपल्लस्व
मिश्रूलंदेवदेवियाक्वंत्रिनंलाऊंहमंनिनियायंदेवनंदय
कांवियूक्षांॐ॥ यंदेसयाक्रूंगुंपनिंश्रीजनवांहाद्रुंजुंजा
यांविश्वकंनियाऊंनमोवागिश्वरलयांचचंदासऊंक्रूंल
ंगुंविजनपनिस्यनंथूंयि॥ २॥श्रीजिंश्रीजिंश्रीतिंमस्यनंदं
दस्यलंहृन्यंश्रूंलंगृंहीं॥ ३॥ ४॥ ॥ जागमालंश्री ॥ ॥प
नमंदगुंधंसिंगलंहमंमंदिंजस्वातिंनं॥ ॥निकनंगीजमवहुंनं
मिलंश्रीवंडिनाथविंगंवजं॥स्यखंगुंमिजनकजंतिंनंगुंदिं
धपनध्यानमंहस्वजांश्रीवेदवंम्नाकजंनंजंस्फुंलंश्रीवंडिं
थविंगंवजं॥ १॥ सग्रीजंमेंजिंगंन्यसंसाजदंनाजंधंमूंनिंउचांजं
नंजोंगंध्यांनिंजंपाजलिंलांश्रीवंडिनाथविंगंवजं॥ २॥ ऊंडुं
डुंकंवेंजंधूंनिंकंजंधूंपंदिंपंपुंकांसिंकंसिंधिंमूंनिंजंनंकंजं
नंजंजोंश्रीवंडिनाथविंगंवजं॥ ३॥ दंक्रेंकेंनंलंकंजंनंकोंनुंकं
ह्रांनंगंधंर्वपुंकांसिंनंश्रीलंक्ष्मीकंमलांचंऊंजंयोंलंश्रीवंडि
नाथविंगंवजं॥ ४॥ कैलासमेंयंकंदंवंनिंजंजनंः हैलंसिंपंर्व
महंसजं॥श्रीजांजांक्रूंधिंस्थीरंकंजंनंभूंस्फुंनिंश्रीवंडिनाथविं
गंवजं॥ ५॥ श्रीवंडिनाथजिंकेंपंचजंलंपंद्मंनंपापंविनांसनं
कोंनिंनिंर्थंलंयांहांपूंन्यंप्राफलंदायकं॥ ६॥ ७॥ ८॥
जागमालंश्री॥ ॥पांउंचंलियंलवांनिंपूंनंमूंलांऊंनांमांनि
जंमांक्ष्यं॥ ॥कमलनयनंक्रूंपंसुंधंजमकृतंअंतिंस्वंहांक्ष्यं
ह्रूं॥जोंजिंनिंगंवंविंचंहंरंजंसिंहंडंपंस्वंहांक्ष्यं॥ ७॥ ओंगंधं
मधूंमनंगंजवांजेंपिंछंकूंजंनांलंयं॥ वंकूंनंवांजांवंध
ंवांजेंतंग्गंमंगंलंजंमंक्ष्यं॥ ८॥ कोंतंग्गंश्रीकंमोंदंजंगंम

ॐ मधुमतनगजवाजेपिछेहूंकजनालेय॥वेहूंतवाजीवध

ॐ वाजेतुंगमंगलगजध्व्य॥२॥कालगजूकिंगाणगजगा
जासलिकमलिहुजाध्व्य॥मूंवहासिवोलाध्वेतुंगकोडीध
यकमलडबुलाध्व्य॥३॥अलहदजासहुंधविनिसकले
जयंजाथंकालिका॥सिंहवाहिनिस्वर्गधविनिअंबमा
जिसहाजिनि॥४॥विजनिंद्यासिंजगमेवामकिंकुमाजेसज
नेमेअध्व्य॥आरुयासिअजानूवालवःसमूमात्यगुनगमध्व्य
॥पाउयलियतवानिचूनसूरलाअनामहिचमाध्व्य॥५॥छ
धा॥ ॥रंजागासिलनिसअंध्वकाअतिचसहूल॥ ॥जूय
ममअंध्वासिलनिसअंध्य॥सिलनिसमालकूंयजूतिपंच
साक॥अंध्य॥नापं॥६॥कोनिपूंजिंदनाअंध्वमाथूलिवास
॥अंध्य॥नापं॥२॥धमाथूलिदनाअना॥ंयागमानिवास॥
अंध्य॥नामं॥३॥ंयागमानिंदनाअना॥मानिपोअंवास॥
अंध्य॥नापं॥४॥मानिपोअंदनाअना॥गमंचोसंवास॥अं
ध्य॥नापं॥५॥गमंचोसंदनाअना॥धैंवंयासिवास॥अंध्य॥
नापं॥६॥धैंवंयासिंदनाअना॥धंयापोअंवास॥अंध्य॥
नापं॥७॥धंयापोअंदनाअना॥वेंदुसिलवास॥अंध्य॥नापं
॥८॥वेंदुसिलंदनाअनासिलनिसवास॥सिलनिसमालकूंय
पापदंचोस्वक॥२॥यिनाथिनाथ्यनःश्रेंगेकेहले॥
गवीगरेंज्यूंमिसूंहथिरूंयारूंग॥१०॥धंत्यमायावोसिंचो
नासिवाऽधस्यहल॥खिवाऽबोलमऽवृंरूंपुरुंध्वस्यादिल॥११॥
दूलिदंत्यमनंमिनागुपालसंदनागुपालसंदनास्वर्यापुरु
ंध्वस्यादिल॥१२॥ंयमनपुरुंस्वामजिंगंलाचि॥
कतिंधंकालाक्यायनःनपस्यानियाय॥१३॥ंरूंवियानादिस्वन

॥८॥ बंधुसिलूदनाओनामिसलिलसवास॥सिलीमुखमालकूय
कपदकोएक॥२॥यिनाछिनाथिनाथनःशूरंगकेहल॥
गनीगनूंज्यमिसूहथिरूयारूत॥१०॥धत्यमायाकोसंचो
लासिवाउवसहल॥खिचाउकोलमावृक्षरूपहउवस्यदिल॥११॥
दूलिदन्यमनंमिलागुपालसंदनागुपालसंदनास्वर्यापुह
उवस्यदिल॥१२॥उकायमनपुहस्वामजिगध लाचि॥
रूतिगधकलाक्यायनःनपस्यानिन्याय॥१३॥शूंदियानाजिस्यन
पहरूकेमानि॥शूंदियानासिस्यनपुहरूकेधन॥१४॥निश्च
लिपमिलूअन्यशुयोमनाओ॥निक्कतिपहिलूआनाओयाकथं
बोय॥१५॥व्यपालयाकनपतीश्रीजयपुकासमलापुजायो
नपुतियालयानाओविज्याक॥१६॥छैरु॥४॥

चरःविजयनालरूजीतूं॥॥नाजोयनशूंगुयासिसजसन
विद्याकोंकिनस्वताउनश्चालूअोनगुंधवानःशूंअनवे
कुलोमयकउनसंघजोय॥१॥शिलानागंयारूनि
सनाजायमवि॥गलसकोवं
रू॥२॥काकयाविनिवं
दयसनवियनलपुहरू॥३
लेमरा॥वउंदमाजयतो
षिसजसनविद्याक॥४॥छैरु॥४॥
श्री लोकिकलेख्याछिमिडाःयकूंधर्मतस्याख्यवाःजायथनवा
श्री तमारूगायावैलाहाएसंचत्याचाःनकयाकेकयादेयक
॥१॥
मरूचा॥प्रथमयाशूंसवाःमनवमनचाधसपं
पदहचा॥तमिरूलैस्यानाआःधातब्रोलिपिलिख्या

॥४॥ ॐ नमोऽथऽर्क समदृग्बलसाल॥दृक्षाऽन्यक्ष सप्तप
जन्मयादृजुमल॥व्यङ्क॥ऊ॥दॐ ऽधकाक्रिनऽन्यगदऽयाव
मऽयऽआयानाचौनाक्षनः मयाकविचल॥व्यङ्क॥७॥क्षाकक्ष
ऽनाथसिस्यायङ्क्यऽउधजे॥दृक्षहानासमृजक्षीकृन्य
क्रिनयाज॥व्यङ्क॥७॥दृक्ष॥४॥ आगीसक्षाम्या॥ ॥मऽगमृ
बलसजसयाऽपानमसृ-वाङ्कक्रिनक्षितलजिङ्क्रयाक्षी
॥वैसजिजाम्यऽलक्षीन्यजिमङ्क्षनसःजिगदयाऽदृक्ष
ङ्क्षलक्षी॥७॥मामवृवाविधयकाङ्क्षविनक्षीनाऽजासःअमि
ऽयनमयाकविचालक्षी॥थमनऽऽन्यधसासनुचिनङ्क्षलायाय्
थूलिनऽगयानाजिजीनाक्षी॥२॥नयायनमगमऽवृकियऽयनम
गमऽऽकृःपृनुऽवपासाच्क्षमङ्क्षी॥थूलियविनङ्क्षनसलिलग
नाङ्क्षगःग्वक्षदेवनसीनक्षाऽवियक्षी॥३॥यानायानाजतनन
पृनऽऽनमवृजितःथूग्दृक्षग्याकेनिक्षायक्षी॥पूनक्षाऽज
मसधमिमदयाऽजियापिऽनिदृवसिलक्षी॥४॥कऽमस
क्षीयऽलजाजिनिङ्क्षयमालःपन्यमनेमामवृवाक्षिनक्षी॥
देसदसक्षिनेयायःजामयानामकायवैयकंथवासजित
क्षान्यक्षी॥ऽ॥क्षाकक्षनक्षाऽयतयाक्विचालयाकमऽथमन
ङ्क्षगजिक्षाऽजथक्षी॥देयालयाऽधियाऽतीजाजिद्वीवकमऽ
ङ्क्षःपृजायानपनिमालयाकक्षी॥ऽ॥ङ्क्षङ्क्षङ्क्ष॥४॥

जाऽ॥ङ्क्षाज्या॥ ॥चूपऽगुनचैधास्यानऽशीचैऽडमाथंऽन्य
नःङ्क्षनाऽनसचऽऽस्यानऽक्षिलस्यान॥क्लिक्लिकोल
क्लिचोनाऽक्षूतस्याचानक्षाऽवाऽकूऽगुलाङ्क्षाऽक्षलानलऽगुल
चिऽयचौनतिनाक्षिलङ्काकूऽगुलिङ्क्षिऽफुल॥नकतिनिजाल

अस्यचो नऊ कूस्यावा नऊ॥१॥ कूणि सग्वलनहैंगुलि
चित्यचो नतिनोनलहा कूगुलिसिऊला॥ नकति निजाल
जोतनागथिगुवा नऊ॥२॥ कोजास्यतायल कुकिचानिको
लनऊ कूस्वयाकोहा अस्यचो नऊ॥ अंगुलि दगुलाहा
तिनयतासिथगुस्यअो नऊ॥३॥ गंगजलवेच नकेलेहना
मिऊवा कस्यः मगुसगुऊिलाअोस्वयाअो नऊ॥ सहनविस
लिस्वयाअो नअोक्षतिजिजनऊ॥४॥ ग्ववयलापोलजि
नऊजीनाअो अन्यअनःजिकिअोतिजिजवयनऊ॥ कूथ्य
नक्षालस्याकूजिनऊअोथिनाचोनऊ॥५॥ आविकलसि
कलेडानलग्वनलूयाअो यासापनिअोयाजिनसाकुस
नऊ॥ हिसिदुक्कोकेहेवामयऊ ऊिलाअोचोनऊ॥६॥
केहेवामयऊ नऊवगुयलालपिक्षीनऊिछिअोनायचोन्य
तुजिमनऊलऊ॥ लऊनऊनहोलालालातिनेच्यानाा
ष्यालनियानाऊ॥७॥ सव्यमनेयाऊक्षिनविमतियो
नोजिनहिस्याय मेवनजिजामक्षालाा॥ लिपनसछि
यश्यदाऊवीधनियाडीऊ॥८॥ छिजुलिगुलिकिनछ
लनऊगुनकसेऊतिनसलालोऊ॥ नमस्काजगीलो
कनाथःलोकगछयाअोऊ॥९॥ ६॥
जागधनु॥ ॥नमोनमालोकनाथःलोकपतिपालेयाअोःवा
जेवाजंलमनकाःलोकयातउच्चासजयाअो॥१॥ द्यायसव
विसीमःजलविस्तीमऊयाअोःविज्ञालयतजाजानलंदेवःगाजा
नो२॥ गुजूऊवंछदतःसाथयानाअोःविज्यातकामऊनिऊंठःगा

आदिसिद्धाज्या ॥ ॥ मलिलासाम्बुतल्पधृग्
नागक्षत्रलतल्पदृग्यतिसीमजलं ॥ ॥
कार्कोष्णोक्तिकलासालाघाख्या ॥ ॥
या ॥ ४ ॥ कायमत्रार्द्रयिधकोऽत्रायचयोनौ
तेनक्षयमत्रावृत्तज्ञौ ॥ क्षयमत्रा
क्षतोत्तेक्षयनलयज्ञकोथ
ओद्यंवायाधमदतोथमं
त्राधमदयकेमालज्ञा ॥
मद्यमद्रःक्षायलज्ञीलद्रा
त्रमद्रपुत्रसयाधमनद्रगंधि
क्षयाग्निनिमाङ्गकजेमत्रोत्थ
मालज्ञा ॥ ४ ॥ ६ ॥ ॥ नागवक्त्र ॥ ॥ विद्याकश्रीस्वयंभूनाथरसनहृने
त्यगल ॥ ६ ॥ सिंहयाक्षतदित्यःवल्गुहासषऽशालनिक्षदविर्यानि
साक्ष्यास्या ॥ नागवासदहनसःसुवर्शुयापत्यमत्तमःशोणिरूपस्वर्यंत्र
विद्याक ॥ ५ ॥ हालादःकालिग्रमथनःनागराजोघनिगनःथिथिवर्ष
यासविद्याक ॥ कोकिलआग्निनःचक्रवाकमयाःअन्यगऽलयीछया
वास ॥ २ ॥ ह्लहलादःअस्मदगुदहनाःलषसकोद्वायमग्नियाःयत
वनवासवासयास ॥ दवदैग्धमनूथयाःमनयागुलावखयाःयत्रवन
धेनालषछाना ॥ ३ ॥ हाहाहेःनागराजापनाहयाःदहनसवाग्विया
स्वयंरूपादवसनयास ॥ यःवत्सासलृष्णाल्लःनगवाहनसहकालःनव
यानिश्रीनाभिरुक्षाल ॥ ४ ॥ ६ ॥

॥ ॥ विद्याकश्रीस्वयंभूनाथरसनहृने

वाह्न ॥ २ ॥ हाहादेः अस्मदगुरुहर्षनाः लेषसकोद्यामग्निया॰ पर
वत्सवासवासयास्प॥ देवदैत्यमनुष्याः सनयागुरुवस्वयाः पत्रवर्ग
धेनालेषहीना॥ ३ ॥ हाहादेः नागजाज्ञापनाहयाः दहनसवासविया
स्वयंशुयादवसनयास्प॥ पयस्वतासलूखालः जगवाहनसहकालः नर
पतिश्रीजयसिंहराजकुलकालः॥ ४ ॥ ६ ॥

स्वांवसीजगां ॥ विजाकश्रीस्वयंभुनाथरसनहने
पात॥ १ ॥ हाहादेसिंघयाहसादिस्यचंडहाल
षड्जोरणनीलदेनिपनीताध्यास्य॥ नागवासप
हनसंसुवर्नयायतेमूलस्त्रोतिरूपस्वयंश्रीविजाक
॥विजा॥ २ ॥ हाहादेकाशंयाप्रभुक्षमागरराजा
धानिगनाथेथिरसत्यास्पविजाक॥ कोकिलआदिन
याकूयाकहेतयाआमेगत्रतयंविघ्नाशस॥ ३ ॥ हाहा
देअगस्युदहषनातीषसकोद्यामजियापरवतचोस
यासत्यास्पा॥ देवदैत्यमनुष्येयामनुष्यंभावत्व
यापरवतत्वेनातंसछेनाथ॥ हाहादेनागरा
जापनाहयादहनसवासविंयास्वयंशुयादरस
नयास्प॥ पेजवलसिलयाष्नातरंगवाहनसहका
नरपतीश्वरराजिंदुकालः॥ ४ ॥ ६ ॥ ॥

केओरोएगानथोयेकेसरिमासाजाहोनेश्रीस्वानस्वेतलोपपुरुष
सकायुदेवणमगनहनेजानचोनेगुरुनेरथासनकायुदेवरक्षाभेसाल
देवहःजीपुरुसनपाइव्वालुंमासोवलेंथीजगगुकसीमाफ्र

राजधानी॥ तालप्रतालः॥ ॥ ॥ जप्रभुंव

॥ जयाद्रु ॥ तातप्रतात ॥ ॥ जिप्रभुप
देसजतरामागनवन्ये ॥ ध्रुं ॥ वातष
यापिरतियोमकेमफुप्रभु ॥ वारंवारषो
यावजिवोना ॥ १ ॥ मामवुर्वांविसेहत
पिरतियारसमधु ॥ दईवनवीलाजितथ्रुप
पुंष ॥ रामागनवन्यो ॥ २ ॥ हरीहरीजिकर
मसिवसिवजिकरमा ॥ थ्रुंठधुषगोवो
तसपुईव ॥ रामागनवन्यो ॥ ३ ॥ लीकरुं
याचानकिंमंछिचरनध्याननी ॥ मथनो
रथपुरेयानाविवृ ॥ रामागनवन्यो ॥ ४ ॥

श्रीसच्चरीनमः श्रीगणेशायनमः श्रीगरु

राजश्रात्रु

एज ॥ ॥ कानेनुलप्रभुजतयामेमालपे ॥ धृ ॥
मचामाचापरीवानेधयागुलालपे ॥ लालसचो
नेमनेहरीघानमकावपे ॥ ध ॥ धनसंपता
दकोतमथालंचोनीपे ॥ लोनावनेमधु
थोसरीहवानाधकेमानीपे ॥ रा ॥ कोमी
लाडिलाडोलाडामनमोहनपे ॥ घुमत

ए॥ ॥कानजुत्र भुजत्र आमे मालै॥ ध्रु॥
सचा साचा परीधाने धना गुलाल दे॥ जाल सचो
मेमले हरी धानामका वरे॥ ध ॥ धन संपत्ता
दकौतका थाल चोनी दे॥ सोना ग्रने मनु
थोसी ले ग्रना धके मानी दे॥ ग्रर॥ कोमी
लीता डोना मन मोहन ले॥ ग्रमल
छमन नन वाल ले॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥

~~के जीने इनि नथ येके सोरे धाका सिनि अलंकृत नर्त्ताये~~

मेलाप्रे मोजन मेला थँण ने गु को टीवीना

[illegible]

[illegible]

2792

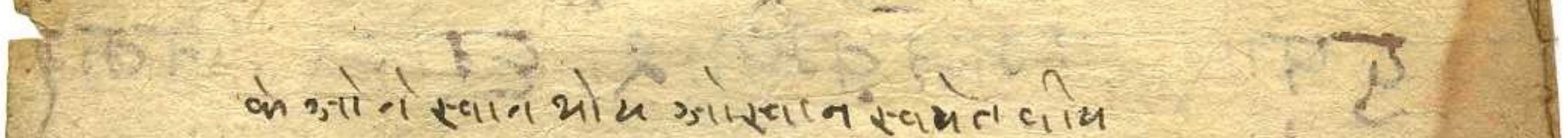

श्री द्वारकाधिनी ——— १
हेरानिर्जंजाता ——— २
नमोनमोगुरुणीलयं मु ——— ३
मुखोद्रिये मंडलीतनि ——— ४
अभयदा ये मति ——— ५
कक्षपाट ——— ६
अभीर ——— ७
रागलाभमुनिजारति ——— ८
महोत्सवो ——— ९
दुग्धपेक्रमयाधेनु ——— १०
पतेत्वानमस्कृत ——— ११
थगपुत्र ——— १२
पक्षिनगत ——— १३
मतेनयोथोपाधि ——— १४
लोकनाथर्तं ——— १५
सुधारसेलक्षन ——— १६
नृपोत्तमी ——— १७
करमले ——— १८
प्रजाचक्र ——— १९
नवाकृया ——— २०
डिंपिया ——— २१
अनेतमो ——— २२
सारुडिया ——— २३

अंगार ——— ७
रागलाप मुनि आरति ——— ८
महोत्सवो ——— ९
कुमारे करुणा धन्य ——— १०
पतीचोनजम झुले ——— ११
थप्पड ——— १२
पंक्षीनगल ——— १३
महोत्सवो थोपण्ण ——— १४
लोकनाथ ——— १५
सुधारुलोक ——— १६
नृपोत्सवी ——— १७
करमाल ——— १८
आचमक ——— १९
पवाडा ——— २०
डिंपा ——— २१
आवेगमो ——— २२
साडेटिया ——— २३
हसु खिलि ——— २४
गाडगाडुघनी ——— २५
[illegible] ——— २६
[illegible] ——— २७
[illegible] ——— २८

श्री

श्री

स्वयं गर्न जाको
लगि दुवै दुनजना पाउन

दीन प्रसाद कोईरी धरान

घर खर्च
जम्मागर

१।१२
२०
५
२५
१।६४
५०
२।१५

श्रीरामचन्द्रजी आरती

दोहा

रामचन्द्र रघुनन्दन सीतापति श्रीराम ।
हो भक्तवत्सल कृपासुखादेन वन्दौ ॥ ॥
हो कीर्ति भूषण ॥ हे श्री ॥ रघुवंशनाथ ॥

गद्य प्रणाम प्रभु आपको भक्ति साथ
रामचन्द्र कृति जो मनोहर आरती गावे
जो आपनी अनुभवा परम सौभाग्य पावे
नगीन धर्मीतेर आन करी जोडी
रामचन्द्र श्रीपतिह आलो केला
पदि पद्म अनुपम मनोहारी हेला
करते जो नगतनाहि तुलो नगाला

2792